सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 246 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 19 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दुर्ग में जल सत्याग्रह : तालाब में उतरकर ग्रामीणों ने उठाई खाद, बीज और आवास की मांग

■ अधिकारियों ने दिया आश्वासन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग के पाटन ब्लॉक के ग्राम कुर्मीगुंडरा में ग्रामीणों ने जल सत्याग्रह किया। यह प्रदर्शन खाद, बीज और आवास की मांग को लेकर किया गया। गांव के लक्ष्मी सागर तालाब में महिला और पुरुष पानी के अंदर खड़े होकर प्रदर्शन में शामिल हुए।

ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने जल सत्याग्रह से पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की आरती उतारी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम की भी आरती की गई। ग्रामीणों ने तालाब किनारे यह आरती उतारकर समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि समय पर खाद और बीज न मिलने से खेती प्रभावित हो रही है।

तीन घंटे तक चला प्रदर्शन

गुरुवार को यह जल सत्याग्रह तीन घंटे से अधिक समय तक चला। प्रदर्शनकारी जल्द से जल्द खाद और बीज मुहैया कराने की मांग कर रहे थे। वे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास भी जल्द दिए जाने की मांग कर रहे थे। मामले की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों से बातचीत की। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने अपनी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई है।

खास-खबर

अवैध परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, रेत से भरे 10 हाइवा जब्त जब्त

रायपुर। अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर बलौदाबाजार जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। संयुक्त टीम द्वारा औचक निरीक्षण व छापमारी की कार्यवाही भी लगातार की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार शुक्रवार को राज्स्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा अवैध रेत परिवहन करते 10 हाइवा को जब्त किया गया। एसडीएम सिमगा ने बताया कि् शुक्रवार को प्रात: 6 बजे सिमगा के जायसवाल फैमिली ढाबा के पास राजस्य एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान हाइवा वाहनों से रेत परिवहन करते पाया गया। उक्त वाहनों को रोककर परिवहन पास मांग किये जाने पर चालकों के द्वारा परिवहन पाल प्रस्तुत किया गया एवं शेष 10 वाहन चालकों द्वारा परिवहन पास सबंधी कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।वाहन चालक वाहन का चाबी निकालकर मौके से फ्ऱार हो गये। टीम द्वारा पंचनामा तैयार कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए हर्षित राणा भारतीय टीम में

मुंबई। तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफ्ग़ानिस्तान के खिलाफतीसरे वनडे के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया है। क्चष्टष्ठ ने शुक्रवार को बताया कि राणा ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिटेशन पूरा कर लिया है। वे चेन्नई में भारतीय टीम से जुड़ गए हैं। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 20 जून को सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे मैच खेला जाएगा। फ्लिहाल, भारतीय टीम 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से और दूसरे में 170 रन से जीत हासिल की थी। राणा पिछले कुछ समय से क्चष्टष्ठ के डॉक्टरों और फ्जियोथेरेपिस्ट की निगरानी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फ्टिनेस पर काम कर रहे थे। उन्हें फ्टिनेस टेस्ट पास करने के बाद टीम में शामिल किया।

किसानों को बड़ी राहत: चार राज्यों में दालों-तिलहनों की खरीद को मंजूरी

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ देने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने चार राज्यों में दलहन और तिलहन की बड़े पैमाने पर खरीद को मंजूरी दे दी है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यह खरीद 'मूल्य समर्थन योजना' के तहत तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में की जाएगी। इसका मुख्य मकसद किसानों को उनकी फ्सल का सही दाम दिलाना और उन्हें मजबूरी में कम कीमत पर फसल बेचने से बचाना है। इस फैसले से उत्तर प्रदेश को सबसे ज्यादा फायदा होने वाला है। राज्य में 'ग्रीष्मकालीन 2026' सीजन के लिए 48,298 मीट्रिक टन मूंग, 97,970 मीट्रिक टन उड़द और 41,718 मीट्रिक टन मूंगफ्ली की खरीद को मंजूरी मिली है। इन फ्सलों की कुल एमएसपी कीमत 1,490 करोड़ रुपये से अधिक है।

छत्तीसगढ़ में ज्ञान भारत महाअभियान पूरा, तीन महीनों में मिलीं 11 हजार 808 दुर्लभ पांडुलिपियां

■ दुर्लभ पांडुलिपियां सहेजने की दिशा में महासमुंद जिला अव्वल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञान भारतम् मिशन के तहत छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और बौद्धिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक बड़ी और ऐतिहासिक कामयाबी हासिल हुई है। राज्य में चले तीन महीने के सघन सर्वेक्षण में कुल 11 हजार 808 दुर्लभ पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। 15 मार्च से 15 जून 2026 तक चले इस अभियान के जरिए सदियों पुराना प्राचीन ज्ञान अब डिजिटल स्वरूप में सुरक्षित हो सकेगा।

दुर्लभ पांडुलिपियों को सहेजने की दिशा में डिजिटलीकरण और वैज्ञानिक संरक्षण सबसे प्रभावी कदम हैं। भारत सरकार और राज्य के संस्कृति विभाग 'ज्ञान भारतम्' (ज्ञान भारत) जैसे अभियानों के तहत ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखे सैकड़ों वर्ष पुराने ग्रंथों को सहेजने का कार्य कर रहे हैं। इस राज्यव्यापी

सर्वेक्षण को छत्तीसगढ़ में शासन के संस्कृति विभाग के समन्वय से ज्ञान भारतम् मोबाइल ऐप के जरिए पूरा किया गया। इस दौरान निजी संग्रहों, प्राचीन मंदिरों, आश्रमों और पारिवारिक धरोहरों में छिपी ताड़पत्र व कागज की अमूल्य पांडुलिपियां सामने आईं, जिनमें ताड़पत्रों की संख्या सर्वाधिक है।

महासमुंद जिला रहा सबसे आगे, बस्तर-रायपुर में भी बड़ा खजाना

सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों में साहित्य और ज्ञान की समृद्ध परंपरा बिखरी हुई थी। इसमें महासमुंद जिले से 3,498 पांडुलिपियों की संख्या सर्वाधिक के साथ राज्य में प्रथम स्थान पर रहा। रायपुर जिले में 1,770 पांडुलिपियां मिली, जिससे दूसरे स्थान पर रहा। बस्तर जिले में 1,610 पांडुलिपियों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। रायगढ़ जिले में 1,553 पांडुलिपियां पंजीबद्ध की गईं। इसके अलावा कोरबा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, राजनांदगांव, मुंगेली और कोरिया जिलों से भी भारी मात्रा में दुर्लभ दस्तावेज मिले हैं।

भाषा और लिपियों की अनूठी विविधता

ज्ञान भारतम् मिशन के राज्य नोडल अधिकारी प्रभात सिंह ने बताया कि इन पांडुलिपियों में धर्म, आध्यात्म, कर्मकांड, वैदिक चिकित्सा, ज्योतिष, दर्शन, इतिहास तथा स्थापत्य कला से जुड़ी बहुमूल्य जानकारियां दर्ज हैं। ताड़पत्रों पर मुख्य रूप से उड़िया भाषा और उड़िया लिपि का प्रयोग हुआ है, जबकि कागज पर लिखित पांडुलिपियों में देवनागरी लिपि के साथ ब्रज भाषा और अवधी भाषा देखने को मिलती है। यह विविधता छत्तीसगढ़ के प्राचीन इतिहास कोको प्रमाणित करती है।

मूल मालिकों के पास ही सुरक्षित रहेंगी पांडुलिपियां

प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र ने इसे भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनर्जागरण बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन द्वारा केवल इन पांडुलिपियों का पंजीयन और दस्तावेजीकरण किया गया है। ये दुर्लभ पांडुलिपियां मूल रूप से जिन व्यक्तियों या संस्थाओं की हैं, उन्हीं के पास सुरक्षित रहेंगी। इस रिकॉर्डिंग का उद्देश्य भविष्य में शोध और व्यवस्थित अध्ययन को बढ़ावा देना है।

विलुप्त हो रही ज्ञान परंपराओं को बचाने का राष्ट्रीय प्रयास

यह अभियान भारतीय सभ्यता के बिखरे हुए ज्ञान को समेटने का राष्ट्रीय अनुष्ठान है। जिस तरह इतिहास में नालंदा विश्वविद्यालय के नष्ट होने से ज्ञान का बड़ा भंडार खो गया था, यह मिशन वैसी ही है। इन 11 हजार 808 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण आने वाली पीढ़ियों को उनके गौरवशाली अतीत से जोड़ेगा।

नीट यूजी अभ्यर्थियों के लिए सिम्स में शुरू हुआ मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन

रायपुर। नीट यूजी 2026 परीक्षा परिणाम एवं प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव को देखते हुए छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर ने अभ्यर्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन सेवा प्रारंभ की है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार सिम्स के मनोरोग विभाग के माध्यम से यह विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे विद्यार्थियों को समय पर मनोवैज्ञानिक परामर्श और भावनात्मक सहयोग मिल सके।

सिम्स अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार मोबाइल नंबर 9425502353 को आगामी दो सप्ताह तक हेल्पलाइन नंबर के रूप में संचालित किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम, काउंसिलिंग, प्रवेश प्रक्रिया एवं भविष्य को लेकर होने वाली चिंता, तनाव, घबराहट अथवा अन्य मानसिक समस्याओं के संबंध में विशेषज्ञ चिकित्सकों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उनका शैक्षणिक प्रदर्शन। नीट जैसी प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के दौरान अनेक विद्यार्थी मानसिक दबाव का सामना करते हैं। ऐसे समय में उचित परामर्श एवं सकारात्मक संवाद उन्हें तनाव से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों से आवश्यकता पड़ने पर हेल्पलाइन सेवा का अधिकतम उपयोग करने की अपील की। मनोरोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुजीत नायक ने बताया कि परीक्षा परिणाम अथवा प्रवेश प्रक्रिया के दौरान तनाव, चिंता, निराशा और असफलता का भय जैसी स्थितियां सामान्य हैं।

छत्तीसगढ़ के कृषि विकास मॉडल का अध्ययन करने पहुंचे महाराष्ट्र के विधायक, सीएम साय से मिले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शुक्रवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी

आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बस्तर की संस्कृति के प्रतीक बस्तर आर्ट का स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में मानसून की रफ्तार होगी तेज, बारिश का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने धीरे-धीरे अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। मौसम के बदलते मिजाज के बीच प्रदेश के कई इलाकों में बारिश का दौर जारी है, जिससे उमस और भीषण गर्मी से लोगों को आंशिक राहत मिली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधियां और तेज हो सकती हैं।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले तीन दिनों तक प्रदेश के

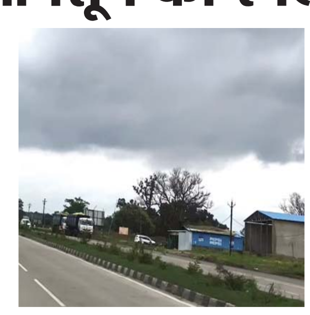

विभिन्न हिस्सों में मेघगर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं अगले चार से पांच दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के छत्तीसगढ़ के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बताई गई हैं।

मौसम विभाग के अनुसार पंजाब से बिहार तक सक्रिय मौसमी द्रोणिका और विदर्भ से दक्षिण भारत तक बने सिस्टम का असर प्रदेश के मौसम पर पड़ रहा है। इसी वजह से कई इलाकों में बादल गरजने और बिजली गिरने की स्थिति बन रही है। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ बारिश और अंधड़ चलने की संभावना जताई गई है। शहर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। केशकाल और छिंदगढ़ में 3-3 सेंटीमीटर वर्षा हुई, जबकि कांकेर, गंडई, जगदलपुर, बोराई, बड़े राजपुर, कुआकोंडा, माकड़ी और दुर्ग में 2-2 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा पिपरिया, धमधा, बड़े बचेली, राजनांदगांव, चारामा, तोंगपाल, खड़गांव और भीमभोरी में 1-1 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

टेलीग्राम पर बैन नहीं हटेगा, हाईकोर्ट ने कहा- सरकार के पास अधिकार

नईदिल्ली। नीट री-एग्जाम से ठीक पहले टेलीग्राम की याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने साफकिया कि देश की इतनी बड़ी परीक्षा की सुरक्षा के लिए सरकार को आपातकालीन कदम उठाने और अस्थायी प्रतिबंध लगाने का पूरा कानूनी अधिकार है। अब 22 जून तक टेलीग्राम पूरे भारत में बंद रहेगा।

शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस तेजस करिया की सिंगल-जज बेंच ने टेलीग्राम की याचिका को खारिज करते हुए बेहद अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा, कि सभी दलीलों पर विचार करने

के बाद, हमने पाया कि विवादित आदेशों की इमरजेंसी प्रकृति को देखते हुए, अधिकारियों ने प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने बरकरार रखा सरकार का फैसला

कोर्ट ने सरकार का फैसला बरकरार रखते हुए साफ किया कि सरकार का यह फैसला प्रोपोर्शनैलिटी यानी की समानता की कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है। देशव्यापी मेडिकल प्रवेश परीक्षा की परिस्थितियों को देखते हुए यह कदम जायज है, क्योंकि इसमें वैध उद्देश्य छिपा है और सरकार ने हालात को काबू में करने के लिए कम से कम प्रतिबंधात्मक उपाय को अपनाया है।

टेलीग्राम के फीचर्स बने सुरक्षा एजेंसियों के लिए सिरदर्द

केंद्र सरकार ने अदालत में टेलीग्राम के तकनीकी ढांचे यानी आर्किटेक्चर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। सरकार की ओर से इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर की रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया गया कि टेलीग्राम के कुछ खास फीचर्स कानून लागू करने वाली एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। इन फीचर्स के कारण साइबर क्राइम को बढ़ावा मिल रहा है।

नहर लाइनिंग के लिए 4.96 करोड़ स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जल संसाधनों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ा फैसला लिया है। शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा कांकेर जिले के विकासखंड दुर्गकोंदल के अंतर्गत दियागांव जलाशय के जीर्णोद्धार एवं नहर लाइनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 96 लाख 58 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस योजना के पूर्ण होते ही क्षेत्र के कुल 178 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई सुविधा मिलने लगेगी, जिससे स्थानीय किसानों की फसलों की पैदावार में बढ़ोतरी होगी। दियागांव जलाशय के जीर्णोद्धार और नहर लाइनिंग के इस महत्वाकांक्षी कार्यों के पूरे होने से क्षेत्र के कृषि परिदृश्य में बड़ा बदलाव आएगा। जलाशय के जीर्णोद्धार और नहरों के सुधारीकरण (लाइनिंग) से पानी की बर्बादी रुकेगी और अंतिम छोर के खेतों तक पानी पहुंच सकेगा।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई के दौरान ड्राइवर ने किया जहर का सेवन, हालत स्थिर, जांच के आदेश

■ बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के कसडोल तहसील की घटना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के कसडोल तहसील के ग्राम सिनोधा में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई के दौरान एक ट्रैक्टर चालक द्वारा जहरीला पदार्थ सेवन करने का मामला सामने आया है। प्रशासन ने तत्काल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। चिकित्सकों के अनुसार वह अब खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को नायब तहसीलदार आकांक्षा तिवारी ने निरीक्षण के दौरान अवैध

रूप से रेत परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर को जब्त कर थाना कसडोल के सुपुर्द किया। कार्रवाई से क्षुब्ध होकर ट्रैक्टर चालक ने कथित तौर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। सूचना मिलते ही प्रशासन ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

इस मामले की जांच के लिए कलेक्टर ने एसडीएम कसडोल आर.आर. दुबे के नेतृत्व में जांच टीम गठित की है। टीम को तीन दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध उत्खनन के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

एसडीएम आरआर दुबे ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई थी। उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर चालक ने नायब तहसीलदार पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। इस संबंध में नायब तहसीलदार से स्पष्टीकरण मांगा गया, जिसमें उन्होंने आरोपों को निराधार बताया है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

टेलीग्राम पर बैन

हद से ज़्यादा सख्ती से बचे सरकार

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति- सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दर्शाता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

“ निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दर्शाता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है।

निस्संदेह, यदि किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा ऐप विशेष के दुरुपयोग की वजह से, उसके असली यूजर्स को परेशानी होती है तो इससे देश में गलत परंपरा की शुरुआत हो सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकार दलील दे रहे हैं कि अगर किसी बड़ी परीक्षा हेतु टेलीग्राम की सेवाएं सस्पेंड की जा सकती हैं तो भविष्य में किसी अन्य मुद्दे पर दूसरे ऐप के विरुद्ध कार्रवाई को भी तार्किक ठहराया जा सकता है। फिर सत्ताधीशों को किसी अन्य ऐप पर अंकुश लगाने का अवसर बार-बार मिल सकता है। सरकारें कानून-व्यवस्था को खतरा बता कर, कार्रवाइयों को जायज ठहरा सकती हैं। तभी मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचने पर अदालत ने पूछा है कि 150 मिलियन यूजर्स के अधिकारों में कटौती कैसे की जा सकती है? आलोचक सरकार के रवैये को सिस्टम की विफलता बता रहे हैं। दलील है कि कोई भी प्रश्न पत्र तभी लीक होता हैं, जब परीक्षा से जुड़े कुछ अंदरूनी लोग नकल कराने वाले गिरोहों से मिल जाते हैं। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि टेलीग्राम को ब्लॉक करने से समस्या खत्म नहीं होती है। इस प्रतिबंध के बाद यूजर्स आसानी से वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या दूसरे ऐप्स का सहारा ले सकते हैं। निस्संदेह, टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग गलत कामों को अंजाम देने के लिये किया जा सकता है, लेकिन इसकी वजह से तकनीक की उपादेयता को खारिज नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर देश के दूर-दराज के इलाकों में प्रश्न-पत्रों को सुरक्षित पहुंचाने के लिये भारतीय वायु सेना को तैनात करने को एक सख्त कदम के रूप में देखा जा रहा है। जो सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रुफबनाने की कवायद के रूप ध्यान तो खींचता है, लेकिन किसी स्थायी समाधान का विकल्प नहीं बन सकता । निस्संदेह, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और छात्रों का भरोसा जीतने के लिये सरकार द्वारा पूरी परीक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन कराने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। किसी भी सरकार के लिये यही बेहतर होगा कि वह अपनी आपातकालीन शक्तियों का उपयोग बेहद पारदर्शी तरीके से और कम से कम करे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनका गलत इस्तेमाल न हो सके।

स्वामी विवेकानंद के योग संदेश की वैश्विक यात्रा

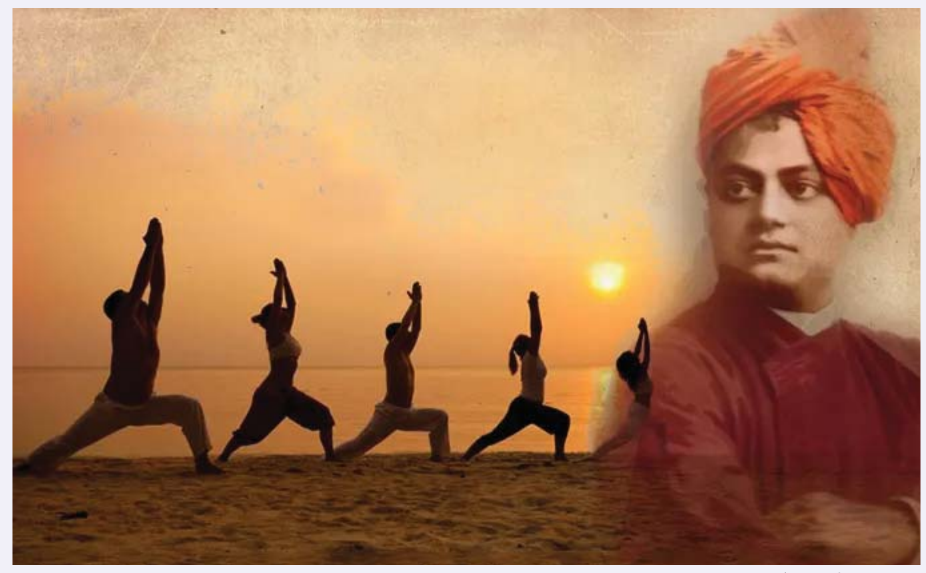

प्रतापराव जाधव

समूचे इतिहास में, कुछ विचार सरहदों के पार जाकर समाजों को बदलते रहे हैं। योग भारत की प्राचीनतम परंपराओं में से एक है, जिसकी यात्रा प्राचीन शास्त्रों से शुरू होकर वैश्विक मान्यता तक जा पहुँची है। योग शब्द — जो संस्कृत के मूल शब्द युज से लिया गया है, जिसका अर्थ है जोड़ना या एकत्व स्थापित करना- अपने भीतर दार्शनिक चिंतन और व्यावहारिक अनुशासन की एक समग्र प्रणाली समाहित किए हुए है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति (जीवात्मा) का सार्वभौमिक चेतना (परमात्मा) के साथ मिलन कराना है।

योग के प्रारंभिक बीज ऋग्वेद (लगभग 1500-1200 ईसा पूर्व) में मिलते हैं, जहाँ तप और ध्यान जैसी अवधारणाओं का उल्लेख किया गया है। आगे चलकर इन विचारों का विकास उपनिषदों में हुआ, जिन्होंने योग के अनेक दार्शनिक सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया। हालाँकि योग को उसका सर्वाधिक व्यवस्थित स्वरूप महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र (लगभग 200 ईसा पूर्व-400 ईस्वी) ने प्रदान किया- इसमें अष्टांग योग अथवा आठ अंगों वाले मार्ग का वर्णन किया गया है, जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि शामिल हैं।

पतंजलि के अलावा, भगवद गीता योग को जीवन जीने के गतिशील दर्शन के रूप में प्रस्तुत करती है। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र की पृष्ठभूमि में भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद मानव कर्तव्य, उद्देश्य और आध्यात्मिक उन्नति के विषय में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भगवद्गीता में वर्णित विभिन्न मार्गों में कर्म योग (निःस्वार्थ कर्म का मार्ग), ज्ञान योग (ज्ञान का मार्ग) और भक्ति योग (भक्ति का मार्ग) मुक्ति प्राप्ति के तीन प्रमुख पथ माने गए हैं। अतः भारत केवल योग की जन्मभूमि ही नहीं है—यह एक जीवंत सभ्यता है, जहाँ योग सहस्राब्दियों से स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है, और जो इसकी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा दार्शनिक संरचना का अभिन्न अंग रहा है।

हालाँकि, औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीय समाज के शिक्षित वर्ग का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी बौद्धिक विचारधाराओं से प्रभावित होने और योग सहित भारत की अनेक पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं को बदलती आधुनिक दुनिया में अपेक्षाकृत कम प्रासंगिक माना जाने लगा। ऐसे महत्वपूर्ण समय में, स्वामी विवेकानंद एक सशक्त स्वर बनकर उभरे, जिन्होंने लोगों को योग के वास्तविक महत्व को फिर से जानने में मदद की।

स्वामी विवेकानंद ने अपने उपदेशों और विश्व धर्म संसद में दिए ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया का ध्यान भारत की आध्यात्मिक विरासत की ओर आकृष्ट किया और योग की शाश्वत ज्ञान-परंपरा के प्रति लोगों में नया विश्वास जगाया। उन्होंने विश्व के विभिन्न भागों के लोगों के साथ वेदांत और योग के सिद्धांत साझा किए तथा यह स्पष्ट किया कि योग केवल एक धार्मिक साधना नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत विकास, आंतरिक शांति और आत्म-विकास का मार्ग भी है। विदेशों में स्वामी विवेकानंद को मिले व्यापक सम्मान और प्रशंसा ने भारतीयों के मन में अपनी प्राचीन परंपराओं और संस्कृति के प्रति नया विश्वास और गौरव उत्पन्न किया।

स्वामी विवेकानंद ने शिकागो - और उसके बाद अमेरिका भर में तथा यूरोप के विभिन्न देशों में अपने व्याख्यानों के माध्यम से पश्चिमी जगत को राजयोग (मन के नियंत्रण का योग), ज्ञानयोग (विवेक और ज्ञान का मार्ग), कर्मयोग (निःस्वार्थ सेवा का मार्ग) तथा भक्तियोग (ईश्वर-प्रेम और समर्पण का मार्ग) से परिचित कराया। पतंजलि के योग सूत्रों पर आधारित उनकी पुस्तक राजयोग (1896), पश्चिमी समाज के लिए योग-दर्शन का परिचय कराने वाली प्रारंभिक और सर्वाधिक प्रभावशाली कृतियों में से एक बन गई।

राजयोग पर दिए अपने व्याख्यानों में स्वामी विवेकानंद ने योग को मानव चेतना के आंतरिक आयामों की खोज करने वाली एक व्यवस्थित और अनुभव-आधारित साधना के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि मानवता के लिए भारत का सबसे बड़ा योगदान उसकी आध्यात्मिक ज्ञान-परंपरा है, और योग उस परंपरा की सबसे गहन तथा स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक है। उनके विचारों ने उस समय के जाने-माने बुद्धिजीवियों और विचारकों का ध्यान खींचा, जिससे भारतीय दर्शन के साथ पश्चिमी देशों का जुड़ाव और बढ़ा।

जो बात शायद कम चर्चित है— किंतु उतनी ही महत्वपूर्ण है, — वह यह है कि पश्चिमी देशों में स्वामी विवेकानंद के कार्यों ने भारत के भीतर ही योग के पुनर्जागरण को प्रेरित किया। जब स्वामी विवेकानंद 1897 में भारत लौटे, तो वे खाली हाथ नहीं लौटे थे। वह अपने साथ एक नया आत्मविश्वास - भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व की एक नई भावना लाए थे जो पश्चिम में उनके स्वागत से और बढ़ गई थी।

1897 में भारत लौटने के बाद, स्वामी विवेकानंद ने देशभर में व्याख्यान दिए और लोगों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पुनः खोजने के लिए प्रेरित किया। 1 मई 1897 को, स्वामी विवेकानंद ने हावड़ा के बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की — जो हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर है, उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर जहाँ रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर में अपने आखिरी साल बिताए थे। बंगाल में हुगली नदी के तट पर स्थापित यह संस्थान एक आंदोलन का वैश्विक मुख्यालय बन गया, जिसने वेदांत के आदर्शों, सेवा को पूजा मानना (शिव ज्ञाने जीव सेवा) तथा योग-दर्शन के व्यावहारिक अनुप्रयोग का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।

रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे आध्यात्मिक गुरुओं की धरती होने के बावजूद, बदलते समय के साथ बंगाल में योग की सार्वजनिक दृश्यता धीरे-धीरे कम होती गई। जीवनशैली में परिवर्तन, आधुनिक प्राथमिकताओं के उभरने और सामाजिक संरचना में बदलाव के कारण योग धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन के केंद्र से दूर होता गया। फिर भी, इसकी जड़ें आध्यात्मिक संस्थाओं और समर्पित साधकों के माध्यम से जीवित रहीं।

11 सितंबर 1893 को, अमेरिका के बहनों और भाइयों के अमर अभिवादन के साथ शुरुआत करते हुए, स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया। अब यह पंक्तियाँ पश्चिम बंगाल के बहनों और भाइयों, अपने ही घर में योग की घर वापसी के साक्षी बनिए- शिकागो के वैश्विक मंच से लेकर हुगली के तट तक - गहरे भावनात्मक संबंध को व्यक्त करती हैं, जो हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती हैं, जब स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया था। उनका संदेश भारत से विश्व तक पहुँचा और योग, सामंजस्य तथा आंतरिक शांति के मूल्यों का प्रसार करता गया।

आज हुगली के तटों पर जो लौटा है, वह स्वयं योग नहीं है—क्योंकि भारत में योग कभी समाप्त ही नहीं हुआ—बल्कि योग के प्रति वह नवीनीकृत वैश्विक मान्यता और सराहना है, जिसकी शुरुआत भारत के प्राचीन ऋषियों से हुई और जिसे स्वामी विवेकानंद के संदेश ने विश्व मंच पर नए रूप में अभिव्यक्त किया।

यह आज लौट आया है — पुनर्जीवित, पुनःमान्य और पुनःस्थापित होकर — बंगाल में हुगली नदी के तट पर, जहाँ बेलूर मठ आज भी उस यात्रा की जीती-जागती यादगार के तौर पर खड़ा है। आज जब विश्वभर में योग का अभ्यास किया जा रहा है और जब दुनिया इसे एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता देती है, — ऐसे में यह याद रखना आवश्यक है कि योग की यह वैश्विक यात्रा अपने केंद्र में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक मिशन को समाहित किए हुए है।

आज, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के साथ, ऐसा लग रहा है मानो योग की खूबसूरत घर वापसी उसी सरजमीं पर हो रही है, जहाँ से इसके संदेश ने विश्व मंच तक की अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। हुगली नदी के तट एक बार फिर इस बात के साक्षी बन रहे हैं कि लोग एक ऐसी परंपरा का उत्सव मनाने के लिए एकत्र हो रहे हैं, जिसने महासागरों पार किया था और अब ज़्यादा पहचान और सम्मान के साथ लौटी है।

शिकागो से हुगली तक की यात्रा केवल एक अभ्यास की यात्रा नहीं है; यह एक विचार और वास्तव में एक भावना की यात्रा है, जो संतुलन, करुणा और आत्म-चेतना के माध्यम से तथा आंतरिक सामंजस्य की खोज के द्वारा मानवता को निरंतर जोड़ती रहती है।

लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं

हिंदी पत्रकारिता के आकाश में 'छत्तीसगढ़ मित्र' की दीप्ति

राजेश गनोड़वाले

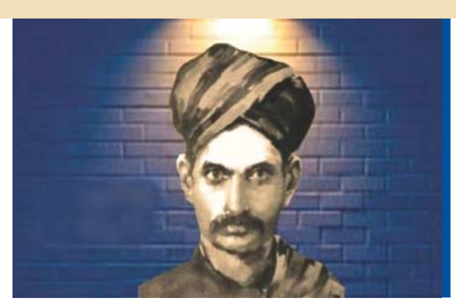

हिंदी पत्रकारिता की दो सौ वर्षों की यात्रा में पं. माधवराव सप्रे द्वारा 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन एक आदर्श मिसाल है। अल्प संसाधनों में तीन साल तक पत्रिका चलाई व 'मूल्य' भी बनाए रखे। निस्संदेह साल 2009 से पुनः प्रकाशित हो रही इस पत्रिका के सम्मुख चुनौतियां जस की तस हैं! अपने रायपुर (छत्तीसगढ़) शहर में पत्रकारिता के दो-एक आयोजनों से गुज़रने के बाद देखा कि पूर्वज परंपरा अब स्मृति-लोप का अधिक शिकार है। ठीक उस वक्त जब हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों का कालखंड (सन् 1826 में कोलकाता से पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा हिंदी साप्ताहिक 'उदंत मार्तण्ड' का प्रकाशन) सामने है तब खुशी और हैरानी एक साथ सामने उभर आई है। देश में अलग-अलग जगह होने वाले आयोजनों ने बताया कि वे लोग बंगाल की भूमि से उठे एक व्यक्ति के 'उस अवदान' को प्रणति दे रहे हैं - जिसे आज 'पत्रकारिता' जैसे सम्मान जनक पेशे के रूप में दुनिया जानती है। उनकी याद, सिर्फ़ भावुक याद नहीं, आज के समय में दो सौ वर्षों के इस वृहद कालखंड के बीत जाने के बाद खुद को खंगालने जैसा भी है।

'माधवराव सप्रे' इस नाम से पहला परिचय स्कूली दौर में हुआ था। कारण था इस नाम वाली उस पाठशाला में हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए भर्ती होना। कोई बड़ी मालूमात नहीं थी कि इस नाम का जो महत्व है वही आगे चलकर मेरी अपनी पहचान का कारण बनेगा। अर्थात् लिखने-पढ़ने वाला जीवन। बरसों बाद, जब डॉ. अशोक सप्रे से परिचय हुआ तो धीरे-धीरे जाना कि जिन माधवराव सप्रे नाम के स्कूल में तीन वर्ष बिताए उनका असल परिचय क्या था। उन्नीसवीं सदी (19 जून, सन् 1871 में जन्म) वाले माधवराव सप्रे के परिवार से जुड़ा वर्तमान सदी का कोई सदस्य सामने सहज सुलभ था, उनके घर भी आवाजाही थी। बावजूद सप्रेजी का कहा या प्रकाशन जो अनकहा हो इस बाबत डॉ. सप्रे बता सकते थे उस तथ्य से परिचित होने से चूक गया। इतने बरसों बाद जब हम पत्रकारिता के एक बिल्कुल अलग दौर में खड़े हैं तब संत मन वाले माधवराव सप्रे का योगदान हैरानी में डालता है!

उस काल में, जब इस विधा विशेष के लिए न तो ठिकाने के उदाहरण थे न ही रास्ते सुलभ थे तब एक आदमी जो स्वयं अनजान था असाधारण साहस करने सामने आता है! पत्रिका कैसे चलेगी इसका कोई पूर्वानुभव नहीं था अलबत्ता हौसला कम न था। लेकिन तीन वर्ष की अवधि तक निरन्तर घाटा होते रहने के कारण मजबूरन प्रकाशन रोकना पड़ा। छोटी आयु मिली थी 'छत्तीसगढ़ मित्र' को। मात्र तीन साल। सन् 1900 के पहले महीने सप्रे जी पत्रकारिता की अपनी वह योजना धरातल पर उतारते हैं। संघर्ष करते-करते अंततः तीसरे वर्ष पत्रिका का प्रकाशन रोकना पड़ जाता है। जबकि पत्रिका की गुणवत्ता का मानदंड समझने को प्रयाग से निकलने वाली 'सरस्वती' की ओर देखना चाहिए जिसे आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सन् 1903 में संपादक का भार संभालने के बाद ठीक उसी भावभूमि पर ढाला था जिस पर 'छत्तीसगढ़ मित्र' का वैचारिक आधार टिका हुआ था।

'छत्तीसगढ़' नाम को सामने रखने का विचार किस क़दर गहरा था! गैर हिंदी भाषी (मराठी मूल का) एक साधक रचनाकार समाज को हिंदी में कुछ देने की नीयत से निकलता है और उस 'छत्तीसगढ़' को, जो तब एक अंचल मात्र था, के लिए इस अखबार को 'मित्र' के रूप में देखता है। आज भले 'सप्रे रचनावली' हमारे सामने पत्रकारिता के उस युग को विस्तार से समझने का ज़रिया हो। इसके समानांतर सन् 2022 में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली से आई 'भारतीय साहित्य के निर्माता : माधव राव सप्रे' किताब नई पीढ़ी को जरूर पढ़नी चाहिए। यह किताब पत्रकारिता को समझने की एक पोथी तो है, साथ में व्यक्ति विशेष के अवदान को भी समझाती है। पत्रिका के पहले अंक में संवाददाताओं की नियुक्ति के लिए सप्रे जी इच्छुकों से आग्रह करते रोचक ढंग लिखते हैं कि,'मेहनती और ईमानदार की दरकार है। गपोड़ी आदमी नहीं चाहिए!' इसके उलट आज की पत्रकारिता का सारा दारोमदार ही उस 'सप्रे भाव' से छत्तीस के आंकड़े पर है!

'छत्तीसगढ़ मित्र' जिस काल में अपने नगण्य साधनों से सामने आया तब न तो जीवन में रंग दाखिल थे और न मानव देह का हिस्सा थे। इस नई सदी में भारत के विकास का अश्वमेध घोड़ा जब दुनिया की परिक्रमा कर रहा हो तब भी यानी सन् 2026 में भी पं. माधवराव सप्रे के उसी 'छत्तीसगढ़ मित्र' का जीवन खुशहाल नहीं है! सन् 2009 से दोबारा प्रकाशित हो रही इस पत्रिका के सम्मुख चुनौतियां जस की तस हैं! अलबत्ता अच्छी सामग्री की बदौलत ही वह जी रही है। दूसरी पत्रिकाओं से स्पर्धा के लिए भी उसके पास कोई आधार नहीं। उसकी ताक़त सहजता है। बिना फोटो वाला रूप उसका पहचान पत्र है। ग्राफिक्स बेस्ड ले-आउट, मल्टी कलर के समय में बिना चमक, बिना किसी गर्जना के टिका रहना क्या उपलब्धि नहीं मानी जाएगी?

वर्तमान हिंदी पत्रकारिता आर्थिक नवजागरण में हिलोरे ले रही है। जबकि सप्रे जी ने सन् 1900 में इसे हिंदी-नवजागरण की दिशा में एक प्रस्थान बिंदु की तरह देखा-दिखाया। आज इक्कीसवीं शताब्दी संसाधनों के अतिरेक की शताब्दी है। बदलाव स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस शताब्दी के आरम्भ होने के साथ पत्रकारिता ने उपलब्धियों और कामयाबी की असाधारण डगर भी पार की। भारत में मीडिया का उजला चेहरा उसकी ताक़त बना है। कस्बों में पत्र-पत्रिकाओं की फौज दिखाई देती है।

अब एक-एक अक्षरों को जोड़ने वाली धीमी छपाई वाले स्याही युग से हम कोसों दूर निकल आए। डिजिटल-स्क्रीन और यह समय तो उसके भी ऊपर एआई का है। 'कृत्रिम मेधा' का इस्तेमाल भी स्वस्थ पत्रकारिता की राह में नया रोड़ा है। कभी स्वाधीनता इसका धर्म था। बाद में आज़ाद भारत का बढ़ता कद इसने देखा-दिखाया। नई सदी ने इसके दशानन रूप से भी परिचय कराया। याद रखना चाहिए, खासकर आजकल के मीडिया को कि हम कोई भी काम करें, उसमें नत्थी विनय भाव ही हमें और हमारे काम को विनयशील पहचान देता है, मानवीय बनाता है। 'छत्तीसगढ़ मित्र' ने इसी विनय भाव को अपना मूल स्वर बनाया, जो माधवराव सप्रे के दौर में था।

लेखक कला-समीक्षक हैं।

नारी शक्ति का दशक, विकसित भारत का उत्कर्ष

अन्नपूर्णा देवी

देश के किसी भी गाँव, बस्ती या सुदूर इलाके में जाइए- हर घर की रसोई में एक जैसी बदली हुई हवा महसूस होगी। चूल्हे के जिस काले धुएँ ने कभी नई दुल्हन की आँखों में आँसू भरे थे, उज्ज्वला की नीली लौ ने उसे विदा कह दिया है। जो माँ कभी कोसों दूर से पानी ढोती थी, आज उसकी बेटी के पास 'हर घर जल' का अपना नल है। खेत के पीछे की वह शर्मनाक मजबूरी अब इतिहास है- आँगन में स्वच्छ भारत का शौचालय गरिमा के साथ खड़ा है। सिर पर पक्की छत है, और उसके मालिकाना हक पर पहली बार- घर की महिला का नाम लिखा है। पर्स में जन-धन की पासबुक है और फोन में यूपीआई का ऐप है।

यह किसी पोस्टर पर छपी कोई काल्पनिक तस्वीर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के बारह वर्षों में महिला सशक्तिकरण का एक ऐसा सच है, जिसे देश की करोड़ों महिलाएँ हर रोज़ जी रही हैं। यह उस दौर की दास्तान है जिसमें Women Led Development के विजन के साथ भारतीय नारी विकसित भारत की शिल्पकार बन रही है। इस बदलाव की विशालता को समझने के लिए एक दशक पीछे लौटिए। एक समय मातृ मृत्यु दर 212 थी। निर्भया जैसी घटना पर देश का आक्रोश सड़कों पर था, लेकिन व्यवस्था में नीतिगत इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती थी।

महिला आरक्षण विधेयक 1996 से चार बार अधर में लटका रहा और ट्रिपल तलाक पर दशकों तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई। चूल्हा साँसों में कालिख घोलता था। दूरस्थ हैंडपंप रोज़मर्रा की बेबसी का प्रतीक था भारतीय नारी एक नई सुबह की प्रतीक्षा में अपने हिस्से की उम्मीद बचाए हुए थी।

शुरुआत करते हैं सबसे पवित्र आँकड़े— जीवन का अधिकार से। देश में मातृ मृत्यु दर तेजी से घटकर 212 से 88 पर आ गई है। UN-MMEIG के अनुसार जहाँ वैश्विक स्तर पर मातृ मृत्यु दर में महज़ 48% की कमी आई, वहीं भारत ने 86% की ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की है। संस्थागत प्रसव 38.7% से बढ़कर 90.6% हो चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने चार करोड़ से अधिक माताओं के

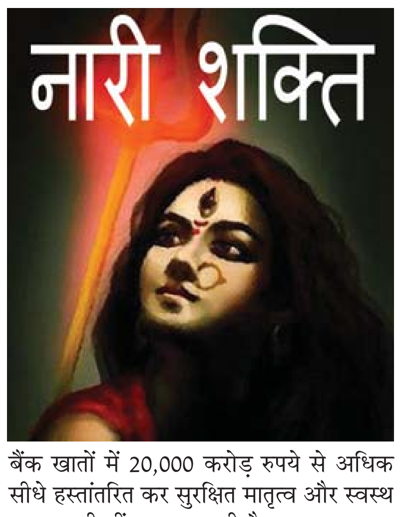

बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक सीधे हस्तांतरित कर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव मजबूत की है।

देश में बने 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों ने महिलाओं को गरिमा दी I10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शनों ने धुएँ से मुक्ति दी। आज 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल का पानी पहुँच चुका है जबकि 2014 में महज 17% परिवारों के पास यह सुविधा थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के लगभग 4 करोड़ घरों में से 73% घर महिलाओं के नाम पर हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सरकारी रिकॉर्ड्स पर माँ-बहनों का नाम गर्व से दर्ज है। गरिमा से स्वामित्व आया, और स्वामित्व ने निर्णय लेने का आत्मविश्वास दिया। आर्थिक भागीदारी का यह विस्तार बैंक खाते से शुरू होकर उद्यमिता तक पहुँचा है द्य लगभग 56 करोड़ जन-धन खातों में 56% खाते महिलाओं के नाम पर हैं।

विश्व बैंक मानता है- भारत ने एक दशक में खाता-स्वामित्व के जेंडर गैप को शून्य पर ला दिया है, जो वैश्विक वित्तीय समावेशन के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ से अधिक जमानत-मुक्त ऋणों में से 68% ऋण महिलाओं को मिले हैं। स्टैंड-अप इंडिया ने महिला उद्यमियों को 43,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं और दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई है। निर्धारित समय से पहले 3 करोड़ बहनें 'लखपति दीदियाँ' बन चुकी हैं।

यह बदलाव शिक्षा और रोजगार में भी स्पष्ट है द्य देश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी वर्ष 2017-18 के 23.3त्न से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 41.7त्न हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह भागीदारी 47.6त्न तक पहुँच चुकी है । सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक 4.53 करोड़ खातों में 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है । उच्च शिक्षा में हमारा जेंडर समानता सूचकांक 1 के पार है और STEM शिक्षा में बेटियों की भागीदारी 43% है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है।

यह परिवर्तन केवल अनुभवों में नहीं, SRS, NFHS, PLFS, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र—हर रिपोर्ट एक ही दिशा की ओर इशारा करती है: भारतीय महिला के लिए पहुँच बढ़ी है और आत्मनिर्भरता का नया आसमान खुला है।

इसी आर्थिक-सामाजिक चेतना का विस्तार राजनैतिक और लोकतांत्रिक भागीदारी में दिख रहा है। वर्ष 2019 के आम चुनावों में पहली बार महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया—यह वैश्विक स्तर पर महिलाओं की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी थी इसी के फलस्वरूप दशकों से लंबित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संसद में ऐतिहासिक सर्वसम्मति से पास हुआ। आज जमीनी स्तर पर 14.5 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधि पंचायतों का नेतृत्व कर रही हैं। देश की रक्षा की अग्रिम पंक्ति में भी महिलाएँ राफेल उड़ा रही हैं और नौसेना की कमान संभाल रही हैं।

मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने ट्रिपल तलाक पर प्रभावी रोक लगाई, जिससे ऐसे मामलों में 82त्न की कमी आई है। देशभर में स्थापित 973 वन स्टॉप सेंटर्स पर संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी सहायता और काउंसलिंग मिल रही है Women Helpline-181 ने अब तक 1 करोड़ से अधिक महिलाओं की मदद की है । मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, सक्षम आँगनवाड़ी—ये नारी-नेतृत्व वाले भारत की रीढ़ हैं।

बेशक, महिला सशक्तिकरण की राह में अभी भी चुनौतियाँ हैं, जिन पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। इसके साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम आगामी परिसीमन की प्रक्रिया की प्रतीक्षा में है।

हमारे गणतंत्र के इतिहास में पहली बार भारतीय महिला अब नीति निर्धारण के पटल पर केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि उसकी सक्रिय 'सह-निर्माता' है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में वह अब राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया की सहयात्री है, सहभागी है और सूत्रधार भी।

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं।)

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

बोरसी भाठा से वर्षों पुराना अतिक्रमण हटाया

दुर्ग। नगर पालिक निगम निगम प्रशासन, राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा आज वार्ड क्रमांक 50 बोरसी भाठा स्थित शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। न्यायालयीन आदेश के पालन में निगम, राजस्व एवं पुलिस अमले की मौजूदगी में जेसीबी मशीन की सहायता से वर्षों पुराने अतिक्रमण को हटाकर शासकीय भूमि को मुक्त कराया गया। बोरसी भाठा क्षेत्र की शासकीय भूमि खसरा नंबर 194/1 पर कुल 35 व्यक्तियों द्वारा कब्जा किया गया था। कब्जाधारियों द्वारा दायर अपील को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दुर्ग द्वारा निरस्त कर दिया गया था। 35 अतिक्रमण प्रकरणों में से एक प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय से स्थगन प्राप्त है, जबकि 19 प्रकरणों में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी न्यायालय से स्थगन आदेश प्रभावशील है। वहीं 10 प्रकरण वर्तमान में विचाराधीन हैं।

निगम क्षेत्र के इन इलाकों में कल प्रभावित रहेगी जलापूर्ति

भिलाई। नगर पालिक निगम अंतर्गत मंगल बाजार ओएचटी के इनलेट पाइप में लीकेज संधारण कार्य दिनांक 19.06.2026 से प्रारंभ किया जाएगा। उक्त कार्य के दौरान टंकी का भराव प्रभावित रहेगा। अतः दिनांक 20.06.2026 को मंगल बाजार ओएचटी से जलापूर्ति प्राप्त करने वाले क्षेत्रों वार्ड क्रमांक 12 एवं 13 कोहका, कुरूद बस्ती, शांति नगर, चंद्रा नगर तथा आसपास के सम्पूर्ण क्षेत्र में पेयजल प्रदाय पूर्णतः बंद रहेगा। संधारण कार्य पूर्ण होने के पश्चात जलापूर्ति पुनः सामान्य रूप से प्रारंभ कर दी जाएगी।

बीएसपी से रिटायर अफसर की शिमला में शानदार प्रस्तुति

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट से सेवानिवृत्त प्रख्यात गायक संजय सिंह के सुरों का जादू शिमला में चल गया। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के मंच पर शानदार और ऊर्जावान प्रस्तुति से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। 'पुकारता चला हूँ मैं' और 'गुलाबी आँखें' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजकों ने संजय सिंह की प्रस्तुति को महोत्सव के प्रमुख आकर्षणों में से एक बताया। सांस्कृतिक और संगीत प्रेमियों ने भी उनके गायन की भरपूर सराहना की।

डॉ अंकुश देवांगन को छत्तीसगढ़ ललित कला अकादमी रीजनल सेंटर की स्थापना समिति का चेयरमेन बनाया गया

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ में ललित कला अकादमी, रीजनल सेंटर की स्थापना के लिए सरकार ने डॉ. अंकुश देवांगन को कमेटी का चेयरमेन बनाया। उनके मनोनयन से छत्तीसगढ़ी कलाजगत में हर्ष व्याप्त है।

प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी, चित्रकार बी.एल. सोनी, फोटोग्राफर प्रवीण कालमेघ, मीना देवांगन, मोहन बराल, राष्ट्रपति पुरस्कृत गुरुजी परसराम साहू तथा साहित्यकार मेनका वर्मा ने उन्हें बधाई दी है।

ज्ञात हो कि अंकुश देवांगन केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले ललित कला अकादमी में छत्तीसगढ़ से प्रथम बोर्ड मेंबर हैं। उनका मनोनयन सांसद विजय बघेल की अनुशंसा पर केंद्रिय संस्कृति मंत्री ने 2019 में किया था।

उन्होंने अपने कार्यकाल के प्रथम वर्ष में ही छत्तीसगढ़ भिलाई में ललित कला अकादमी के रीजनल सेंटर का प्रस्ताव दिया था। वे देश भर में बनाई गई अपनी कालजयी मूर्तिकलाओं के अलावा छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 36 वर्षों से बच्चों को निःशुल्क कला

प्रशिक्षण के लिए भी चर्चित रहे हैं।

उनके हिंसा छोड़ो कला से नाता जोड़ो आंदोलन के कारण हजारों बच्चे माओवादी बनने से बचे हैं। इस अभियान को अमली जामा पहनाने के लिए उन्होंने दुर्गम इलाकों में कड़ी मेहनत भी की है।

ललित कला के रीजनल सेंटर हेतु भारतीय जनता पार्टी ने भी विधानसभा चुनाव घोषणा पत्र में स्थापना का वादा किया था। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ के सैकड़ों कलाकार अनेकों वर्षों से इसकी मांग कर रहे हैं। ताकि राज्य की कला संस्कृति का व्यापक विकास हो सके।

इन तमाम संभावनाओं के मद्देनजर छत्तीसगढ़ शासन ने इस बहुप्रतिक्षित मांग को पूरा करने के लिए कमेटी का गठन किया है। जिसमें डॉ. अंकुश देवांगन को चेयरमेन बनाया गया है। यह कमेटी एक साल तक अपने कार्य को पूरा करने का उद्देश्य रखती है। कमेटी के सदस्यों में संदीप किन्डो, सहायक प्राध्यापक खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय चित्रकार हुकुम लाल वर्मा, तृप्ति खरे तथा संस्कृति विभाग रायपुर के उमेश मिश्रा शामिल हैं। इन लोगों की नियुक्ति से कला प्रेमियों में हर्ष का माहौल व्याप्त है।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने शुरू किया स्मार्ट क्लास, बच्चों संग किया प्रार्थना व मंत्रोच्चार

दुर्ग जिले में शाला प्रवेशोत्सव का आगाज़, बघेरा हाईस्कूल पहुंचे स्थानीय विधायक व शिक्षा मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर आज दुर्ग के बघेरा हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि–विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में स्थापित स्मार्ट क्लास एवं प्रिंट रिच वातावरण का लोकार्पण कर विद्यार्थियों को आधुनिक, रचनात्मक एवं तकनीक आधारित शिक्षण सुविधाओं की सौगात दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री यादव ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक, नवाचार और व्यवहारिक ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र विकास का आधार बन रही है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल सामग्री, वीडियो, चित्र एवं इंटरैक्टिव शिक्षण संसाधनों का लाभ मिलेगा, जिससे अध्ययन अधिक सरल, रोचक एवं प्रभावी बनेगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विकसित किया गया प्रिंट रिच वातावरण बच्चों में पढ़ने–लिखने की रुचि बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कक्षा एवं विद्यालय परिसर में शैक्षणिक चार्ट, शब्द भंडार, प्रेरणादायी संदेश, भाषा एवं गणित आधारित सामग्री तथा ज्ञानवर्धक प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को निरंतर सीखने का अवसर प्राप्त होगा। इससे उनकी भाषा दक्षता, रचनात्मकता एवं सीखने की क्षमता में सकारात्मक वृद्धि होगी।

मंत्री श्री यादव जिले के अनेक स्कूलों में आयोजित उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश का वितरण भी किया गया। श्री यादव विद्यार्थियों के साथ प्रार्थना सभा में भी शामिल हुए। उन्होंने बच्चों के साथ राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वंदना एवं गुरुमंत्र का सामूहिक उच्चारण किया। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने नियमित अध्ययन, अच्छे संस्कार, अनुशासित जीवनशैली तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी।

रंग लायी विधायक रिकेश की पहल मेडिकल कालेज तक बनेगी सड़क

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की पहल पर कोहका–कुरूद मेन रोड से चंदूलाल चंद्राकर शासकीय मेडिकल कॉलेज तक 2.5 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य को लोक निर्माण विभाग से प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना पर 7.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और निर्माण कार्य अगस्त माह से शुरू होने की संभावना है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि यह सड़क लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही है। सड़क बनने से मेडिकल कॉलेज, आसपास की कॉलोनियों और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा मरीजों और छात्रों की आवाजाही आसान होगी।

उन्होंने बताया कि वैशाली नगर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए सड़कों के विकास के साथ–साथ तीन ओवरब्रिजों की

स्वीकृति भी मिली है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में जाम की समस्या कम होगी और यातायात व्यवस्था मजबूत होगी।

विधायक सेन ने कहा कि सड़क, पुल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देते हुए वैशाली नगर को बेहतर और व्यवस्थित विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सड़क परियोजना क्षेत्र के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की नई आधारशिला साबित होगी।

दुःख, तनाव और मूड ऑफ के लिए कोई और नहीं बल्कि हमारी खुद की 'टू-मच थिंकिंग' ही जिम्मेदार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जो हर कार्य कल पर छोड़ते है वो अलबेलापन आलस्य के संस्कार के अधीन है, कल और काल का कोई भरोसा नहीं, हर घड़ी अंतिम घड़ी। आदि अविनाशी सत्तोप्रधान आत्म निश्चय से सृष्टि रूपी रंगमंच पर कर्म करे। पुरुषार्थ फर्स्ट है, जिसके आधार पर प्रालब्ध बनती है।

यह बातें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ प्रवास में अहमदाबाद से आई युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका तथा वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगीनी ब्रह्माकुमारी चंद्रिका दीदी जी ने कही। सृष्टि कर्म और न्याय के सिद्धांत पर चलती है।

भगवान से कुछ भी छिपता नहीं। तो मैं क्यों छुपाऊ, परमात्मा से हर बात बताओ। परमात्मा सदा हाजिर रहता है साथ देने लेकिन बच्चे सदा भूल जाते हैं ,परमात्मा मे मेरा निश्चय मुझे निश्चिंत और निर्भय बनाता है।

अक्सर हम हमारे तनाव, दुखी और मूड ऑफ होने का दोषारोपण दूसरों को समझते

है, लेकिन मेरे अपने संस्कारों, व्यर्थ चिंतन, टू मच थिंकिंग के कारण हम अत्यधिक चिंतित है। अपनी ही कमी कमजोरी से वैराग्य आवश्यक है। परमात्मा से माता पिता, गुरु, शिक्षक, सखा, बालक के रूप में संबंध जोड़ कर उन्हें प्रेम से याद करे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हम विभिन्न आसनों का प्रयोग करेंगे शारीरिक दक्षता के लिए, लेकिन परमात्मा से संबंध जोड़कर याद करना राजयोग का प्रमुख चरण है।

विचित्र भगवान की सृष्टि रूपी रंगमंच की विचित्र लीला को उसके साथ साक्षी होकर देखो, तो आपसे भाग्यवान और कोई नहीं होगा,जो भी आपके संबंध संपर्क में आएगा उसका भी तनाव दूर हो जाएगा।

सबकी एक कम्पलेन रहती है कि दूसरे नहीं बदलते, संग अच्छा नहीं है, इस कारण मन से शक्तिशाली नहीं बन सकते। लेकिन परमात्म श्रेष्ठ मत के आधार पर ज्ञान स्वरूप, शक्ति स्वरूप के वरदानी बन अपनी स्थिति को अचल बनाओ। साक्षी होकर हर एक का पार्ट देखो।

अपने सतोगुणी पार्ट में स्थित रहो। सदा परमात्मा के संग में बालक के रूप में रहो तो तमोगुणी आत्मा व वायुमंडल के संग के रंग का प्रभाव पड़ नहीं सकता। कर्मयोगी वह है जो कर्म के कल्प वृक्ष की डाली पर बैठ कर्म करते भी उपराम स्थिति में रहे।

कोहका पानी टंकी लीकेज की मरम्मत शुरू, भाजपा नेता ने किया था ध्यान आकर्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। कोहका स्थित मंगल बाजार पानी टंकी में लंबे समय से हो रही पाइपलाइन लीकेज की समस्या पर आखिरकार कार्रवाई शुरू हो गई है। भाजपा नेता शारदा गुप्ता द्वारा शिकायत किए जाने के बाद नगर निगम ने संज्ञान लेते हुए 19 जून से मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, कोहका पानी टंकी से हजारों लीटर पानी प्रतिदिन व्यर्थ बह रहा था। शांति नगर कॉलोनी के निवासी जहां एक ओर पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर टंकी में लीकेज के कारण बहुमूल्य जल नालियों में बर्बाद हो रहा था। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जैसे ही टंकी में पानी भरता है, पाइपलाइन से रिसाव शुरू हो जाता है। यह समस्या पिछले लगभग 5 वर्षों से बनी हुई थी, जो गंभीर लापरवाही को दर्शाती है।

उन्होंने इस विषय की शिकायत नगर निगम आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों से की, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मरम्मत कार्य शुरू किया गया। इस पहल के लिए शारदा गुप्ता ने नगर निगम आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

स्थानीय समाजसेवी टिकेंद्र कुमार एवं रमेश देशमुख ने भी बताया कि पाइपलाइन लंबे समय से क्षतिग्रस्त थी, लेकिन समय पर सुधार नहीं होने से पानी की भारी बर्बादी हो रही थी।

क्षेत्रवासियों ने कहा कि नालियों में लगातार बहते पानी से जहां जल की बर्बादी हो रही थी, वहीं लोग बूंद–बूंद पानी के लिए तरस रहे थे। उन्होंने इस प्रकार की समस्याओं पर स्थायी समाधान की मांग की। शारदा गुप्ता ने कहा कि जल संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाने की आवश्यकता है। भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है और बोरिंग फेल हो रहे हैं। शिवनाथ नदी के समीप होने के बावजूद पानी की समस्या गंभीर है, जो चिंताजनक है।

भिलाई निगम आयुक्त ने किया निर्माणाधीन उच्च क्षमता पानी टंकी निर्माण का निरीक्षण

समय पर और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन–4 खुर्सीपार क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर विभिन्न विकास एवं जनसुविधा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नवनिर्मित उच्च क्षमता वाले जलागार, सड़कों की सफाई व्यवस्था, अवैध रूप से सड़क पर रखे गए बिल्डिंग मटेरियल तथा ई–लाइब्रेरी का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

आयुक्त ने वार्ड–42 गौतम नगर स्थित सड़क क्रमांक–51 में नवनिर्मित उच्च क्षमता वाले जलागार का निरीक्षण किया, इस दौरान पार्षद श्याम सुंदर राव भी उपस्थित रहे। आयुक्त ने कहा है प्राथमिकता के साथ क्षेत्रवासियों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाये।

निरीक्षण के दौरान बालाजी नगर में कई स्थानों में सड़क पर निर्माण सामग्री पाया गया, आयुक्त ने संबंधित मकान मालिकों को तत्काल सामग्री हटाने की चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क पर मटेरियल रखने से यातायात बाधित होता है और आम नागरिकों को परेशानी होती है। निर्धारित समय में सामग्री नहीं हटाने पर संबंधित व्यक्तियों पर अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी।

सुभाष नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने बरसात के दौरान सड़कों पर जलभराव की समस्या पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने अधिकारियों को पानी की निकासी के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यक तकनीकी उपाय तत्काल करने के निर्देश दिए, जिससे सड़कों को नुकसान से बचाया जा सके। इसके अलावा आयुक्त ने क्षेत्र में संचालित होने वाली ई–लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लाइब्रेरी के व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों एवं युवाओं को आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का लाभ और बेहतर मिल सके।

निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीएसपी में पाचन तंत्र संबंधी रोगों पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति जागरूकता के लिए 17 जून को एचआरडीसी सम्मेलन कक्ष में पाचन तंत्र रोगों के चेतावनी संकेत विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पाचन तंत्र संबंधी रोगों की प्रारंभिक पहचान, निवारक स्वास्थ्य देखभाल तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ गैस्ट्रो–इंटेस्टाइनल सर्जन डॉ. दिनेश सिंघल मुख्य वक्ता थे। डॉ. दिनेश सिंघल ने पाचन तंत्र से संबंधित विभिन्न रोगों के प्रारंभिक लक्षणों, संभावित जोखिम कारकों, समय पर जांच एवं उपचार की आवश्यकता तथा संतुलित जीवनशैली के महत्व को बताया।

दुर्लभ जन्मजात त्वचा रोग से पीड़ित बच्ची का एम्स रायपुर में शुरू हुआ उपचार

■ बहु-विषयक विशेषज्ञ के साथ संयुक्त टीम कर रही मॉनटरिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर में चिकित्सा विशेषज्ञों की एक बहु-विषयक टीम ने इक्थियोसिस हाइस्ट्रिक्स से पीड़ित एक बच्ची का व्यापक उपचार शुरू किया है, जो कि एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात त्वचा रोग है। इस बीमारी की पहचान शरीर पर मोटी, अत्यधिक केराटिनयुक्त और साही के कांटों जैसी परतें बनने से होती है। इस रोग की जटिलताओं को दूर करने के लिए, एम्स रायपुर ने समग्र चिकित्सा, पोषण और सामाजिक-मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए त्वचा रोग विशेषज्ञों, शिशु रोग विशेषज्ञों, आनुवंशिकी विशेषज्ञों, पोषण विशेषज्ञों और मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर्स की एक समर्पित संयुक्त टीम तैनात की है।

विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल ने कहा, दुर्लभ बीमारियों का प्रबंधन केवल दवाओं तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसके लिए वास्तव में एक बहु-विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। एम्स रायपुर में त्वचा रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, आनुवंशिकी विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ, मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर और अन्य विशेषज्ञ मिलकर व्यापक और संवेदनशील देखभाल प्रदान कर रहे हैं। हमारा ध्यान न केवल

बीमारी के इलाज पर है, बल्कि बच्चे और परिवार की पोषण संबंधी, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने पर भी है। देखभाल का यह एकीकृत मॉडल सुलभ, उन्नत और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस विशिष्ट उपचार का नेतृत्व एम्स रायपुर के त्वचा रोग विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. नम्रता छाबड़ा कर रही हैं। डॉ. छाबड़ा के अनुसार, इक्थियोसिस हाइस्ट्रिक्स जन्मजात इक्थियोसिस का एक दुर्लभ प्रकार है जो या तो वंशानुगत हो सकता है या जीन म्यूटेशन के कारण स्वतः उत्पन्न हो सकता है। इस विशिष्ट मामले में, परिवार में इस बीमारी का कोई पुराना इतिहास नहीं है, जो इसके स्वतः उत्पन्न होने का संकेत देता है। मेडिकल टीम ने पहले ही स्थानीय (टॉपिकल) उपचार शुरू कर दिया है और सटीक आणविक निदान की पुष्टि के लिए उन्नत आनुवंशिक जांच के साथ-साथ त्वचा की बायोप्सी भी निर्धारित की है। इसके अतिरिक्त, आंखों, सुनने की क्षमता और हड्डियों से संबंधित संभावित जटिलताओं की भी जांच की जा रही है, जो कभी-कभी इस बीमारी से जुड़ी हो सकती हैं।

हालांकि जन्मजात इक्थियोसिस दीर्घकालिक प्रबंधन की चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है, लेकिन नैदानिक आंकड़े बताते हैं कि कई मरीजों में उम्र बढ़ने के साथ त्वचा के लक्षणों में क्रमिक सुधार होता है। हालांकि, संक्रमण, शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन), तापमान नियंत्रण में कठिनाई और गंभीर पोषण संबंधी कमियों के उच्च जोखिम के कारण शिशु अवस्था के दौरान इसकी निरंतर निगरानी आवश्यक है। वर्तमान में, बच्ची की स्थिति स्थिर है, और कुपोषण को प्राथमिक चिकित्सीय चिंता के रूप में पहचाना गया है। पोषण विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम शिशु रोग विभाग की निरंतर देखरेख में बच्ची के आहार पुनर्वास का प्रबंधन कर रही है। यह चिकित्सीय प्रबंधन के क्षेत्र में एम्स रायपुर की बढ़ती विशेषज्ञता को रेखांकित करता है।

खास-खबर

दस्तावेज़ सत्यापन के लिए 22 और 23 जून को विशेष शिविर

रायपुर। समग्र शिक्षा के अंतर्गत संविदा व मानदेय पर कार्यरत 155 ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) और 85 विशेष शिक्षकों के दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा। इसके लिए आगामी 22 एवं 23 जून 2026 को नवा रायपुर के अटल नगर स्थित इंद्रावती भवन के तृतीय तल (मीटिंग हॉल) में प्रातः 10 बजे से एक विशेष दस्तावेज़ सत्यापन शिविर का आयोजन किया गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्यवाही शुरू की है। दस्तावेजों के परीक्षण की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संभागवार तिथियां निर्धारित की गई हैं। 22 जून 2026 को बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग संभाग के अंतर्गत कार्यरत बीआरपी और विशेष शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच होगी। 23 जून 2026 को बस्तर एवं सरगुजा संभाग के बीआरपी और विशेष शिक्षकों के दस्तावेजों का सत्यापन प्रातः 10 बजे से इंद्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायपुर स्थित मीटिंग हॉल (तृतीय तल) में किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कोरबा में सामूहिक योगाभ्यास

कोरबा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को कोरबा में जिला स्तरीय सामूहिक योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा जन-जन में स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश प्रसारित किया जाएगा।

सिलाई कौशल ने बदली किशोरी लकड़ा की तकदीर

बीजापुर। जिले के ग्राम गंगालूर की निवासी किशोरी लकड़ा ने मेहनत, लगन और कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत मिले प्रशिक्षण ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया और उन्हें स्वरोजगार का सफल अवसर प्रदान किया। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी किशोरी लकड़ा को एनआरएलएम के माध्यम से हैदराबाद में फैशन डिजाइनिंग एवं सिलाई का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने आधुनिक सिलाई तकनीक, फैशन डिजाइनिंग तथा ग्राहकों की पसंद के अनुरूप परिधान तैयार करने की बारीकियां सीखीं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद किशोरी ने अपने गांव में ही सिलाई कार्य शुरू किया। अपने कौशल और मेहनत के बल पर उन्होंने कम समय में लोगों का विश्वास हासिल किया और सिलाई कार्य को नियमित रोजगार का माध्यम बना लिया। अब तक वे लगभग 100 हितग्राहियों के लिए ब्लाउज सिलाई का कार्य कर चुकी हैं। प्रति ब्लाउज 350 रुपये की दर से उन्होंने लगभग 35 हजार रुपये की आय अर्जित की है। इस आय से उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है।

उच्च शिक्षा में बड़े सुधार की तैयारी नए सत्र में समय पर होंगी परीक्षाएं

■ उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने दी नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं

■ शैक्षणिक कैलेंडर का कड़ाई से पालन करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने नवीन शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर राज्य के समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों, शैक्षणिक और अशैक्षणिक स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि इस सत्र में शैक्षणिक कैलेंडर का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे उच्च शिक्षा व्यवस्था अधिक सुदृढ़ और अनुशासित बनेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, अनुशासित और पारदर्शी बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें नई शिक्षा नीति (ह्श्वक्क 2020) के क्रियान्वयन, डिजिटल गवर्नेंस के उपयोग, एकीकृत नियामक संस्थाओं के

गठन और छात्रों की अनिवार्य उपस्थिति से जुड़े सख्त दिशा-निर्देश शामिल हैंद्य उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसरों में अनुशासन और स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

विद्यार्थियों की समस्याओं के लिए बनेगा 'हेल्प डेस्क'

छात्र हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए मंत्री श्री वर्मा ने घोषणा की है कि महाविद्यालय आने वाले समस्त विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 'हेल्प डेस्क' की स्थापना की जाएगी। इससे छात्रों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और उन्हें तत्काल राहत मिलेगी।

NEP 2020 का समयबद्ध क्रियान्वयन

सभी कॉलेजों के शैक्षणिक स्टाफ और विद्यार्थियों की यह जिम्मेदारी होगी कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पढ़ाई समय पर शुरू हो, पाठ्यक्रम समय पर पूरा हो, और सेमेस्टर व अन्य परीक्षाएं समय पर आयोजित की जाएं। इसके साथ ही शैक्षणिक कैलेंडर की समय-सीमा के भीतर ही परीक्षाओं के परिणाम भी जारी किए जाएंगे। कॉलेज परिसरों में उच्च शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को सह-शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि वे अपने संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास कर संस्था और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

समय पर प्रवेश लें छात्र, बार-बार नहीं बढ़ेगी तारीख

उच्च शिक्षा मंत्री ने सभी विद्यार्थियों से अपील की है कि वे शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार महाविद्यालयों में गुणाक्रम के आधार पर समय पर प्रवेश लें। उन्होंने कहा कि समय पर प्रवेश होने से प्राविण्य सूची में आने वाले सभी विद्यार्थियों का एडमिशन निर्धारित समय में पूरा हो सकेगा और पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो पाएगी। बार-बार प्रवेश की तिथि बढ़ाने की आवश्यकता न पड़े, इसके लिए जरूरी है कि प्रवेश सूची में नाम आने पर कोई भी विद्यार्थी दाखिले से वंचित न रहे।

युवाओं के सुनहरे भविष्य के निर्माण का भरोसा

उच्च शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के छात्र-छात्राओं को विश्वास दिलाया कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की सरकार युवाओं के सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सबको मिलकर यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 के 'विकसित भारत' के सपनों को साकार करना है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्यमंत्री साय से की सौजन्य भेंट

■ मुख्यमंत्रीसाय ने शॉल, स्मृति-चिन्ह एवं बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भेंट कर किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विश्वविख्यात बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भी उन्हें भेंट की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के छत्तीसगढ़ आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने, संसदीय मर्यादाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाने में उनका योगदान प्रेरणादायी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री बिरला के नेतृत्व और मार्गदर्शन से लोकतांत्रिक संस्थाएं और अधिक सशक्त होंगी तथा लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी। सौजन्य मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, सुशासन, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्धन तथा जनहित से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप तथा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

धड़कते दिल को मिला दुलार : प्रोजेक्ट धड़कन और चिरायु ने मासूम अनुष्का को दी नई जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रोजेक्ट धड़कन' और 'चिरायु' छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य, विशेष रूप से जन्मजात हृदय रोगों और अन्य गंभीर बीमारियों की मुफ्त जांच और उपचार के लिए चलाई जा रही प्रमुख स्वास्थ्य योजनाएं हैं। इनका मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों को महंगे इलाज का आर्थिक बोझ उठाने से बचाना है।

अबूझमाड़ के जंगलों से घिरे नारायणपुर जिले के एक छोटे से गांव में रहने वाले एक किसान परिवार के लिए उनकी 5 साल की बेटी की धड़कनें ही उनका संसार थीं। लेकिन जब पता चला कि उस मासूम के दिल में जन्मजात बीमारी है, तो मानो उस परिवार की दुनिया ही थम गई। इलाज का भारी-भरकम खर्च और संसाधनों की कमी के बीच जहां उम्मीदें दम तोड़ रही थीं, वहां राज्य सरकार की योजनाओं ने फरिश्ते की तरह कदम रखा।

ज़िला प्रशासन नारायणपुर के प्रोजेक्ट धड़कन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की चिरायु योजना (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) के साझा प्रयासों से ओरछा विकासखंड के कुरूषनार गांव की 5 वर्षीय अनुष्का मंडावी का सफल और पूर्णतः निःशुल्क ऑपरेशन किया गया है। यह सफलता की कहानी स्वास्थ्य विभाग के समर्पण और सरकारी योजनाओं की सार्थकता की एक जीती-जागती मिसाल है।

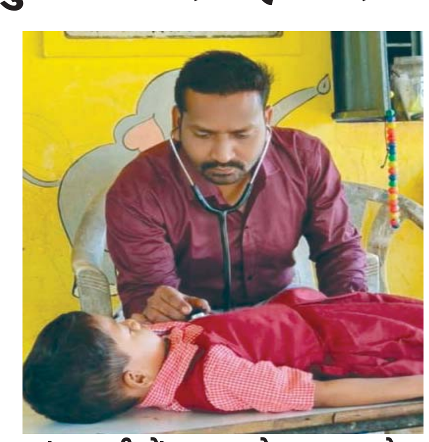

आंगनबाड़ी में पहचान से अस्पताल के बेड तक का सफर

अनुष्का के पिता अर्जुन मंडावी पेशे से किसान हैं और माता प्रमिला मंडावी गृहिणी हैं। सीमित आय के कारण अपनी लाडली के महंगे इलाज की व्यवस्था करना उनके लिए नामुमकिन सा था। इस बीच, चिरायु दल जब नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचा, तो उनकी नज़र अनुष्का पर पड़ी। ?चिकित्सकीय जांच में बच्ची के दिल की बीमारी का खुलासा हुआ। चिरायु दल ने बिना वक्त गंवाए परिवार को ढांढस बंधाया और योजना के तहत मिलने वाले मुफ्त इलाज की पूरी जानकारी दी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष ऐतिहासिक, देश को मिली नई दशा और दिशाः राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

■ बलौदाबाजार में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा नगर भवन बलौदाबाजार में आयोजित तीन दिवसीय भव्य फोटो प्रदर्शनी का गुरुवार को समापन हो गया। प्रदर्शनी के अंतिम दिन प्रदेश के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने इसका आत्मीय अवलोकन किया।

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल को 'ऐतिहासिक' करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने अधोसंरचना विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर) से लेकर आर्थिक और तकनीकी सहित हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन योजनाओं ने देश को एक नई दशा

और दिशा दी है। आज छत्तीसगढ़ के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है।

तस्वीरों में दिखी सशक्त भारत की झलक

प्रदर्शनी में विभिन्न आयामों और चित्रों के माध्यम से देश व राज्य के विकास कार्यों को बेहद आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जबकि एलईडी स्क्रीन्स के जरिए लोगों को शासकीय योजनाओं की डिजिटल जानकारी दी गई।? इस तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी में बदलते और सशक्त होते भारत की एक बेहद गौरवशाली तस्वीर उभरकर सामने आई। प्रदर्शनी का एक बड़ा हिस्सा देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को समर्पित रहा, जहाँ 'हम बनाते हैं स्वदेशी हथियार' अभियान के तहत करीब 38,400 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड तोड़ रक्षा निर्यात (डिफेंस एक्सपोर्ट) की ऐतिहासिक सफलता को बड़े ही प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। सुरक्षा के साथ-साथ 'गरीब कल्याण' को रेखांकित करती तस्वीरों ने भी लोगों का ध्यान खींचा, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देश भर में बने 4 करोड़ पक्के मकानों, स्वच्छ शौचालय, मुफ्त राशन और आयुष्मान कार्ड जैसी बुनियादी सुविधाओं के जरिए गरीबों के जीवन में आए बदलाव की पूरी कहानी बयां की गई थी।

साइंस व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम

विकास की इस महागाथा में आधी आबादी और युवाओं की भागीदारी को भी प्रमुखता से दिखाया गया, जहाँ 'लखपति दीदी' योजना के तहत 3 करोड़ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के बड़े लक्ष्य और डिजिटल अभियान के जरिए युवा शक्ति को नई दिशा देने के प्रयासों को खूबसूरती से उकेरा गया। अंत में, आस्था और आधुनिक तकनीक का एक अनूठा संगम भी यहाँ देखने को मिला, जहाँ एक तरफ अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर की अलौकिक झलक थी, तो दूसरी तरफ साइंस व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम और 'सेमीकंडक्टर चिप' निर्माण जैसी भविष्यवादी और क्रांतिकारी उपलब्धियों का गौरव गान था।

पीएम पोषण शक्ति योजना- मुख्य सचिव विकासशील ने दिए निर्देश... शहरी क्षेत्रों में सेंट्रल किचन से होगी सप्लाई

सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिले नियमित गरम भोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में गुरूवार मंत्रालय में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग सह संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने कड़े निर्देश दिए हैं कि राज्य की सभी शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को योजना के तहत अनिवार्य रूप से गरम भोजन और पूरक पोषण प्रदान किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट किया कि स्कूलों में योजना के संचालन की लगातार जमीनी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें और भोजन पकाने के लिए नियमित रूप से रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित हो।

बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना और सेंट्रल किचन के माध्यम से भोजन पकाने की व्यवस्था पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्रों और उनके आस-पास स्थित स्कूलों में पीएम पोषण शक्ति योजना के तहत सेंट्रल किचन के माध्यम से भोजन तैयार कर सप्लाई किया जाना चाहिए, ताकि भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता का स्तर उत्कृष्ट रहे।

महिला स्व-सहायता समूहों को मिलेगा बढ़ावा

योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पोषण से जोड़ते हुए मुख्य सचिव ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भोजन तैयार करने वाले महिला स्व-सहायता समूहों को सब्जी और मसालों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें। इससे स्कूलों में बच्चों को ताजी व हरी सब्जियां मिलेंगी और साथ ही इन महिला समूहों की आमदनी में भी इजाफा होगा।

योजना की वर्तमान स्थिति

बैठक में अधिकारियों ने योजना से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े साझा किए। राज्य के 56 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में यह योजना संचालित है। इन स्कूलों के माध्यम से 29 लाख से अधिक विद्यार्थियों को दैनिक रूप से गरम भोजन और पूरक पोषण दिया जा रहा है। भोजन तैयार करने के कार्य में 86 हजार से ज्यादा रसोइया जुड़े हुए हैं।

बैठक में उच्चाधिकारियों की रही मौजूदगी

इस बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के सचिवसिद्धार्थ कोमल परदेशी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन की विशेष सचिव व संचालक नागरिक आपूर्ति निगम सुश्री इफ्फत आरा सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वित्त, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग और छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

ग्राम चिकित्सालय- 2 में बड़ी चुनौतियों का सामना करेगी आकांक्षा रंजन कपूर

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे।

इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफ़र का हिस्सा बना है।

उन्होंने आगे कहा, दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।

ग्राम चिकित्सालय' के पहले सीजन को झारखंड के भाठकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया।

शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

मोहनलाल की दृश्यम 3 ने विदेशी बॉक्स ऑफिस लूटा बनी मॉलीवुड की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म

मोहनलाल स्टारर दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड फिल्म थी। ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की इस तीसरी इंस्टॉलमेंट को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। वहीं 18 जून को ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो रही है। ऐसे में अब ये दुनिया भर के सिनेमाघरों में अपनी कमाई का सफर खत्म करने वाली है। वहीं ओवरसीज में तो फिल्म का थिएट्रिकल रन तकरीबन खत्म सा ही हो गया है। चलिए यहां जानते हैं दृश्यम 3 ने ओवरसीज में कितना कलेक्शन किया है?

मोहनलाल की मलयालम क्राइम थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 इंटरनेशनल लेवल पर ब्लॉकबस्टर रही है। इसने अपने थिएट्रिकल रन के दौरान मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका (यूएसए और कनाडा) और यूके (यूके-आयरलैंड) में जबरदस्त परफॉर्म किया है।

वहीं लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक मिडिल ईस्ट रीजन से इसने 6.47 मिलियन से ज़्यादा की कमाई हुई है, जोकि इंडियन करेंसी के हिसाब से 61.17 करोड़ से ज़्यादा है। नॉर्थ अमेरिका क्षेत्र से इसकी कमाई .1.97 मिलियन से ज़्यादा है जो भारतीय रुपयों में 18.61 करोड़ से ज़्यादा है। वहीं यूके में इसने .1.42 मिलियन से ज़्यादा कमाए हैं, जो भारतीय रुपयों में 13.41 करोड़ से ज़्यादा है। कुल मिलाकर, दृश्यम 3 ने अपनी रिलीज के 26 दिनों में ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 111.7 करोड़ रुपये की ज़बरदस्त कमाई की है। यह एक शानदार आंकड़ा है, जिससे यह एल2: एम्पुरान (142.25 करोड़ रुपये) के बाद मोहनलाल की दूसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

दृश्यम 3 111.7 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिलहाल ओवरसीज़ बॉक्स ऑफिस पर तीसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है और यह इसी पायदान पर अपना सफ़र खत्म करेगी। वहीं दूसरी पोजिशन हासिल करने के लिए, इसे लोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा के 119.9 करोड़ रुपये को मात देनी होगी। इसके लिए इसे 8.2 करोड़ रुपये और कमाने होंगे। लेकिन मोहनलाल की इस फिल्म का सफ़र लगभग खत्म हो चुका है, इसलिए लोकाह चैप्टर 1 - चंद्रा को पछाड़ना अब इसके लिए नामुमकिन है।

अल्फा का ट्रेलर जारी, अग्नि परीक्षा के लिए तैयार आलिया भट्ट, ऋतिक रोशन की एंट्री ने मचाया धमाल

अल्फा सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाली फिल्मों में से एक हैं। टीजर रिलीज के बाद से फैंस इसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मेकर्स ने उनके इस इंतजार पर विराम लगाया है और फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर का अंत फैंस के लिए एक बड़े सरप्राइज के साथ होता है।

वाईआरएफ ने सोशल मीडिया पर ऐल्फा का ट्रेलर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, लड़कियां बस मजे करना चाहती हैं बंदूकों के साथ अल्फा 3 जुलाई से सिनेमाघरों में।

अल्फा ट्रेलर की शुरुआत एक बच्ची के साथ होती है जो कांच के बॉक्स में रोती हुई दिखाई दे रही है। फतेह (बॉबी देओल) ऐलान करता है, इसकी मां का नाम जानकी था, हम इसे सीता बुलाएंगे। इसके बाद आलिया भट्ट का वॉयस ओवर आता है, जो एक कहानी सुनाती है। यह कहानी फतेह की होती है।

इसके बाद के सीन में बच्ची को बेरहम हत्यारी बनने की ट्रेनिंग दी जाती है, एक ऐसी हत्यारी जिसे आदेश मिलने पर टारगेट को खत्म करने के लिए तैयार किया गया है। वॉयसओवर के ज़रिए, आलिया फ़्तेह को एक राक्षस बताती है जिसने एक राजकुमारी का अपहरण किया था। लेकिन रामायण की सीता के उलट, जो राम के बचाने का इंतजार करती थीं, यह सीता फतेह की लंका को खुद खत्म करने के लिए अपनी सीखी हुई हर चीजों का इस्तेमाल करती है।

ट्रेलर में आलिया का यह डायलॉग सीता आज खुद लंका जलाने आई है लोगों का ध्यान खींचता है। इसके बाद कुछ एक्शन सीन दिखाई जाते हैं। आलिया फुल एक्शन मोड में नजर आती हैं. शरवरी भी इस मिशन में शामिल हो जाती है।

वह स्टंट करती नजर आती है। एक सीन में उनका और आलिया का एक्शन सीन दिखाया गया है। वहीं, अनिल कपूर दोनों एजेंटों को गाइड करते हुए दिखाई देते हैं। फतेह एक नाराज एक्स-स्पाई लगता है जो देश से बदला लेना चाहता है। वह कहता है,मैं जो बना रहा हूं वो इतिहास है।

इसके बाद दिखाया जाता है शरवरी और आलिया एक टीम में हो जाती है और फतेह की दुनिया का सर्वनाश करने आगे बढ़ती हैं। वहीं फतेह कहता है, इंडिया ने ऐल्फा की कद्र नहीं की, अब इंडिया ऐल्फा से डरेगा। यहां, सीता का गला फतेह के हाथों में दिखाया जाता है।

शिव रवैल के निर्देशन और आदित्य चोपड़ा के प्रोडक्शन में बनी ऐल्फा में आलिया भट्ट, शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म सौमिल शुक्ला और श्रीधर राघवन की स्क्रीनप्ले पर आधारित है, और इसकी कहानी उदय चोपड़ा ने लिखी है।

अल्फा यशराज फिल्म्स स्पाई यूनिवर्स की नई फिल्म है। इस यूनिवर्स में एक था टाइगर (2012), टाइगर जिंदा है (2017), वॉर (2019), पठान (2023), टाइगर 3 (2023) और वॉर 2 (2025) जैसी फिल्में शामिल हैं। ऐल्फा 3 जुलाई को रिलीज़ होगी।

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से है परेशान?

तो छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है चावल का यह घरेलू उपाय

आज के समय में साफ और चमकदार त्वचा हर कोई चाहता है, लेकिन धूल, मिट्टी, पसीना और बढ़ते प्रदूषण की वजह से चेहरे पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इनमें ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स सबसे आम परेशानी हैं। ये छोटे-छोटे दाने अक्सर नाक, ठुड्डी और माथे के आसपास दिखाई देते हैं। इनकी वजह से चेहरा साफ दिखने के बजाय बेजान नजर आने लगता है।

कई लोग इन्हें हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू तरीके भी त्वचा की सफाई में मदद कर सकते हैं। ऐसा ही एक तरीका चावल से तैयार किया गया स्क्रब है, जो चेहरे पर जमा गंदगी को साफ करने में सहायक माना जाता है। त्वचा के रोमछिद्रों में जब प्राकृतिक तेल (सीबम), धूल-मिट्टी और मृत कोशिकाएं जमा हो जाती हैं, तब ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या उत्पन्न होती है। जब रोमछिद्र खुले होते हैं और यह जमा गंदगी हवा के संपर्क में आती है, तो ऑक्सीकरण के कारण इसका ऊपरी हिस्सा काला पड़ जाता है, जिसे ब्लैकहेड्स कहते हैं।

इसके विपरीत, जब यह गंदगी त्वचा के भीतर ही बंद रह जाती है, तो वह सफेद दाने के रूप में उभरती है, जिसे व्हाइटहेड्स कहा जाता है। इसलिए इनसे बचने के लिए चेहरे की नियमित सफाई बहुत जरूरी होती है।

चावल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसके दाने त्वचा पर जमा गंदगी को धीरे-धीरे हटाने में मदद करते हैं। जब चावल को हल्का दरदरा पीसा जाता है, तो उसके छोटे-छोटे कण चेहरे की ऊपरी परत पर जमी मृत त्वचा को साफ करने का काम करते हैं। इससे त्वचा पहले से ज्यादा साफ और ताजा महसूस होती है।

इस स्क्रब को बनाने के लिए सबसे पहले थोड़ा चावल लेकर उसे मिक्सर में हल्का पीस लें। ध्यान रखें कि चावल पूरी तरह पाउडर न बन जाए। इसके बाद इसमें थोड़ा कच्चा दूध मिलाएं। दूध त्वचा को मुलायम रखने में मदद करता है और चेहरे पर जमी गंदगी की पकड़ ढीली करता है। फिर इसमें थोड़ा गुलाब जल मिला लें। गुलाब जल त्वचा को ठंडक और ताजगी देने के लिए जाना जाता है। इन तीनों चीजों को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें।

जब यह पेस्ट तैयार हो जाए तो इसे चेहरे पर लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए कुछ मिनट तक मसाज करें। नाक के आसपास के हिस्से पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दें, क्योंकि ब्लैकहेड्स सबसे ज्यादा वहीं दिखाई देते हैं। चावल के छोटे कण त्वचा की ऊपरी परत पर जमी गंदगी और अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करते हैं।

मसाज करने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें। स्क्रब करने के बाद त्वचा को नमी की जरूरत होती है, इसलिए मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा मुलायम बनी रहती है।

ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

हैंडबैग एक ऐसा फैशन का सामान है, जो न केवल महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि उनके लुक को भी खास बनाता है। जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदने जा रही हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपका चयन सही हो और आपको संतुष्टि मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जरूरी सुझाव देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑनलाइन हैंडबैग का सही चयन कर सकती हैं।

सही आकार चुनें

जब आप ऑनलाइन हैंडबैग खरीदें तो सबसे पहले उसके आकार पर ध्यान दें। यह तय करें कि आपको छोटे, मध्यम या बड़े आकार का बैग चाहिए। छोटे आकार के बैग रोजमर्रा के उपयोग के लिए बेहतर होते हैं, जबकि बड़े आकार के बैग यात्रा या शॉपिंग के लिए उपयुक्त होते हैं। मध्यम आकार के बैग्स ऑफिस या कॉलेज जाने के लिए अच्छे होते हैं। इस तरह आप अपनी जरूरत के हिसाब से सही आकार चुन सकती हैं।

सामग्री का चयन करें

हैंडबैग की सामग्री भी बहुत अहम होती है। चमड़ा, कैनवास, नायलॉन आदि अलग-अलग सामग्रियों में उपलब्ध होते हैं। चमड़े के बैग्स लंबे समय तक चलते हैं और स्टाइलिश दिखते हैं, लेकिन इनकी देखभाल ज्यादा करनी पड़ती है। कैनवास बैग्स हल्के होते हैं और आसानी से साफ किए जा सकते हैं, जबकि नायलॉन पानी से बचाने वाले होते हैं और बारिश में भी सुरक्षित रहते हैं। अपनी जरूरतों और पसंद के अनुसार सही सामग्री का चयन करें।

रंगों का मेल देखें

आपका हैंडबैग आपके कपड़ों के साथ मेल खाना चाहिए ताकि आपका लुक पूरा लगे। अगर आप रोजमर्रा की पोशाक पहनती हैं तो काले, भूरे या बेज रंग के बैग्स अच्छे रहते हैं क्योंकि ये लगभग सभी रंगों के साथ जाते हैं, वहीं अगर आप पार्टी के लिए तैयार होती हैं तो चमकीले रंग जैसे लाल, नीला या हरा रंग का बैग चुन सकती हैं जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे।

स्टाइल पर ध्यान दें

स्टाइल भी बहुत जरूरी होता है जब बात फैशन की आती है। फ्लैप बंद, जिपर बंद या मैग्नेटिक बंद जैसे अलग-अलग स्टाइल उपलब्ध होते हैं। फ्लैप बंद बैग्स क्लासिक लुक देते हैं जबकि जिपर बंद बैग्स आधुनिक दिखते हैं। मैग्नेटिक बंद बैग्स जल्दी खोलने बंद करने में आसान होते हैं। अपने स्टाइल और सुविधा के अनुसार सही बंद स्टाइल चुनें ताकि आपका हैंड बैग न केवल उपयोगी हो बल्कि आपकी व्यक्तिगत शैली को भी दर्शाए।

ग्राहक समीक्षा पढ़ें

ऑनलाइन खरीदारी करते समय ग्राहक समीक्षा पढ़ना बहुत जरूरी है ताकि आपको उत्पाद की गुणवत्ता और प्रदर्शन का सही अंदाजा हो सके। अच्छी रेटिंग वाले उत्पादों को प्राथमिकता दें और नकारात्मक समीक्षाओं पर ध्यान दें ताकि किसी भी तरह की निराशा से बचा जा सके। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप आसानी से अपने लिए सबसे अच्छा हैंड बैग चुन सकती हैं जो आपकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से फिट बैठेगा।

जन-जन तक सुशासन, घर-घर विकास : 'नियद नेल्लानार' की सफलता के बाद अब शुरू होगा 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान

- तकनीक आधारित निगरानी, विभागीय अभिसरण और जन-केंद्रित सेवा प्रदाय से मजबूत होगा विकसित छत्तीसगढ़ का आधार
- मॉडल का राज्यव्यापी विस्तार: 23 जिलों में 31 जनकल्याणकारी योजनाओं का होगा संतृप्तिकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक पात्र परिवार को शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इसी उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश के 23 जिलों में 31 प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं के संतृप्तिकरण का व्यापक कार्यक्रम होगा, जिसके माध्यम से योजनाओं की पहुंच, प्रभावशीलता और पारदर्शिता को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का आधार केवल अधोसंरचना का विकास नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार तक शासन की योजनाओं की प्रभावी और समयबद्ध पहुंच सुनिश्चित करना है। सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं संचालित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनके सकारात्मक परिणाम प्रत्येक परिवार के जीवन में दिखाई दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता ऐसी शासन व्यवस्था स्थापित करना है, जिसमें नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े, बल्कि शासन स्वयं पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे और उन्हें योजनाओं से जोड़े। 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' इसी सोच का विस्तार है।

'नियद नेल्लानार' की सफलता से प्रेरित नई पहल

वर्ष 2024 से बस्तर संभाग में संचालित 'नियद नेल्लानार' योजना ने शासन और जनता के बीच विश्वास का नया सेतु निर्मित किया है।अभिसरण आधारित सेवा प्रदाय के माध्यम से इस योजना ने दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में शासन की उपस्थिति को मजबूत किया तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की। योजना की सफलता को देखते हुए इसे 'नियद नेल्लानार 2.0' के रूप में 10 जिलों तक विस्तारित किया गया। अब इसी सफल मॉडल को प्रदेश के शेष 23 जिलों में लागू करते हुए 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।

चार संभाग के 23 जिलों में संचालित होगी योजना

यह अभियान रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के 23 जिलों में संचालित होगा और ग्रामीण परिवारों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगा। 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान अंतर्गत रायपुर संभाग के रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी एवं महासमुंद जिले; बिलासपुर संभाग के बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, मुंगेली, रायगढ़, सक्ती, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले; दुर्ग संभाग के दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम (कवर्धा) एवं राजनांदगांव जिले तथा सरगुजा संभाग के सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले शामिल हैं।

सुशासन से संतृप्ति की ओर

'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान का मूल उद्देश्य विभिन्न विभागों की योजनाओं को एक साझा मंच पर लाकर पात्र हितग्राहियों तक उनका

शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना है। 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान विभिन्न विभागों के बीच अभिसरण स्थापित करते हुए एक ऐसी व्यवस्था विकसित करेगा, जिसमें योजनाओं की जानकारी, पात्रता, प्रगति और संतृप्तिकरण की स्थिति एकीकृत रूप से उपलब्ध होगी।

31 जनकल्याणकारी योजनाओं का होगा संतृप्तिकरण

अभियान के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा, आवास, रोजगार, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कृषि, कौशल विकास तथा बुनियादी नागरिक सेवाओं से जुड़ी 31 प्रमुख योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जल जीवन मिशन, राशन कार्ड एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, आयुष्मान भारत योजना, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना, मिशन इंद्रधनुष, महतारी वंदन योजना, जन-धन योजना, कौशल विकास योजनाएं, श्रम कार्ड, वनाधिकार पट्टा, आधार कार्ड तथा विभिन्न प्रमाण-पत्र सेवाएं शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और जीवन स्तर में सुधार के अवसर उपलब्ध कराना है।

चिप्स विकसित करेगा अत्याधुनिक डिजिटल डैशबोर्ड

अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था होगी। छत्तीसगढ़ इन्फोटेक प्रमोशन सोसायटी द्वारा एक एकीकृत 'सुघ्घर छत्तीसगढ़ डैशबोर्ड' विकसित किया जाएगा। यह डैशबोर्ड राज्य, संभाग, जिला, विकासखंड, ग्राम पंचायत और ग्राम स्तर तक योजनाओं की प्रगति को रियल-टाइम में प्रस्तुत करेगा। डैशबोर्ड पर प्रत्येक योजना की संतृप्तिकरण स्थिति, शेष हितग्राहियों की संख्या तथा प्रगति का प्रतिशत उपलब्ध रहेगा। इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनेगी।

तीन चरणों में होगा अभियान का संचालन

अभियान का क्रियान्वयन सुव्यवस्थित रूप से तीन चरणों में किया जाएगा।पहले चरण में ग्रामवार आधारभूत सर्वेक्षण एवं डेटा मानचित्रण किया जाएगा। PDS डेटाबेस और विभागीय आंकड़ों के आधार पर संभावित परिवारों की पहचान कर योजनावार बेसलाइन तैयार की जाएगी। दूसरे चरण में ग्राम, क्लस्टर एवं विकासखंड स्तर पर विशेष संतृप्तिकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा तथा आवश्यक दस्तावेजों एवं सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। तीसरे चरण में सतत निगरानी, समीक्षा और मूल्यांकन की प्रक्रिया के माध्यम से योजनाओं की प्रगति का आकलन किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

अभियान में जिला प्रशासन निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

अभियान के सफल संचालन में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जिला कलेक्टर जिला स्तरीय क्रियान्वयन के प्रमुख अधिकारी होंगे और आधारभूत सर्वेक्षण, शिविरों के आयोजन तथा संतृप्तिकरण की संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। संभागायुक्त संभाग स्तर पर त्रैमासिक समीक्षा करेंगे, जबकि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति अभियान की प्रगति का नियमित मूल्यांकन करेगी। 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' एक अभिसरण आधारित कार्यक्रम है। इसके लिए पृथक बजट शीर्ष निर्मित करने की आवश्यकता नहीं होगी। संबंधित विभाग अपनी स्वीकृत योजनागत निधियों का उपयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त ष्टस्क्र जिला खनिज संस्थान न्यास तथा अन्य संस्थागत स्रोतों के माध्यम से भी आवश्यक संसाधनों का अभिसरण किया जाएगा।

विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में नया अध्याय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' नागरिक-केंद्रित सुशासन की एक व्यापक पहल है। इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार तक विकास, सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के अवसरों की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जब शासन की प्रत्येक योजना अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी, जब प्रत्येक पात्र परिवार योजनाओं के लाभ से जुड़कर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन अनुभव करेगा, तभी सच्चे अर्थों में 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' और 'विकसित छत्तीसगढ़' का संकल्प साकार होगा। यह अभियान प्रदेश में सुशासन के नए मानक स्थापित करते हुए विकास की यात्रा को और अधिक समावेशी, प्रभावी और जन-केंद्रित बनाएगा।

खास खबर

सऊदी अरब से नागपुर आया छत्तीसगढ़ के 122 हाजियों का पहला जत्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के माध्यम से हजयात्रा पर गए हजयात्रियों की सऊदी अरब से वतन वापसी प्रारंभ हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने बताया है कि आज 18 जून 2026 को राज्य के 122 हाजियों की नागपुर सकुशल वापसी हुई है। हाजियों का पहला जत्था आज नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंचा। श्री बेग ने बताया कि नागपुर एयरपोर्ट पर समस्त हाजियों को 5-5 लीटर मक्का का पवित्र जल श् आबे ज़म-ज़मश् प्रदान किया गया । नागपुर एयरपोर्ट पर हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज् बेग सहित हज कमेटी के अन्य लोगों ने हाजियों का इस्तेकबाल किया और उनकी गुलपोशी की। सऊदी अरब से स्वदेश वापसी पर समस्त हाजियों के चेहरों पर सुकून और खुशी नज़र आई। हाजियों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय विष्णुदेव साय जी , देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी और भारत सरकार द्वारा की गई बेहतर व्यवस्था हेतु आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग, सदस्य मौलाना अमीर बेग, मौलाना हसन अब्बास, हज कमेटी ऑफिस सहायक सैय्यद सलीम उपस्थित रहे।

खुड़िया रानी मंदिर क्षेत्र बनेगा प्रमुख पर्यटन केंद्र, सुविधाओं के विस्तार की बनेगी कार्ययोजना

रायपुर। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम छिछली स्थित प्रसिद्ध खुड़िया रानी मंदिर क्षेत्र को एक प्रमुख पर्यटन एवं आस्था केंद्र के रूप

में विकसित करने की दिशा में पहल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण तथा पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने खुड़िया रानी सेवा समिति, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक कर क्षेत्र के समग्र विकास और पर्यटन संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचनाओं और विकास कार्यों पर सुझाव लिए गए। कलेक्टर व्यास ने कहा कि खुड़िया रानी क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहां आवश्यक सुविधाओं का विस्तार और सौंदर्यीकरण कर इसे प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने क्षेत्र में बिजली एवं पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने, सड़क किनारे वृक्षारोपण, आकर्षक स्वागत द्वार निर्माण, मार्केट शेड, पार्किंग सुविधा, पर्याप्त शौचालय निर्माण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास का सुझाव दिया। साथ ही सरहा पानी नाला एवं आसपास के क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने की आवश्यकता भी बताई गई।

11 बसों के संचालन से दूरस्थ क्षेत्रों को मिली बेहतर परिवहन सुविधा

- मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से जशपुर के गांवों को मिल रही कनेक्टिविटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत जशपुर जिले के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सशक्त बनाया गया है। योजना के अंतर्गत जिले में वर्तमान में 11 बसों का नियमित संचालन किया जा रहा है, जिससे हजारों ग्रामीणों को सुरक्षित, सुलभ और किफायती यात्रा सुविधा उपलब्ध हो रही है।

जिला परिवहन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बसों का संचालन कैलाशगुफा-बगीचा, सन्ना-चम्पा,

कोतबा-बुलडेगा, तेलाईन-फरसाबहार, रनपुर-कांसाबेल, दोकड़ा-दुलदुला, जशपुर-हर्री, जशपुर-बिचीटोली, जूनाडीह-बासनतला, पत्थलगांव-नारायणपुर तथा दुलदुला-अबिरा मार्गों पर किया जा रहा है। इन रूटों के शुरू होने से दूरस्थ गांवों का संपर्क मुख्य बाजारों, शैक्षणिक संस्थानों और स्वास्थ्य केंद्रों से बेहतर हुआ है।

योजना के लागू होने के बाद ग्रामीणों को निजी वाहनों या महंगे परिवहन साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। कम किराए पर नियमित बस सेवा उपलब्ध होने से लोगों के समय और धन दोनों की बचत हो रही है। इससे दैनिक आवागमन अधिक सुविधाजनक और सुगम बन गया है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का सबसे अधिक लाभ विद्यार्थियों, किसानों, श्रमिकों और छोटे व्यापारियों को मिल रहा है। विद्यार्थी अब आसानी से स्कूल और कॉलेज पहुंच पा रहे हैं, किसान अपनी कृषि उपज को कम लागत में बाजार तक पहुंचा रहे हैं तथा श्रमिकों को कार्यस्थलों तक आने-जाने में सहूलियत मिल रही है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिली है।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच के क्षेत्र में भी योजना सकारात्मक बदलाव ला रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के मरीज अब कम समय और कम खर्च में अस्पताल पहुंच पा रहे हैं, जिससे समय पर उपचार संभव हो रहा है। यह सुविधा विशेष रूप से दूरस्थ गांवों में रहने वाले लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना जशपुर जिले में केवल परिवहन सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और समग्र विकास को गति देने का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। ग्रामीण अंचलों में बेहतर संपर्क और सुगम आवागमन के माध्यम से यह योजना विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बलरामपुर में होगा भव्य सामूहिक योगाभ्यास

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े होंगी मुख्यअतिथि

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में व्यापक स्तर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में प्रातः 6 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर योगाभ्यास करेंगी।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के साथ मनाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण करने के लिए विभिन्न

विभागों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर को नोडल अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए पेयजल, विद्युत, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात एवं पार्किंग, पंजीयन, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी सहित अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है।

बाल मधुमेह की समय पर पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को मिला प्रशिक्षण

- तीन दिवसीय प्रशिक्षण में 300 स्वास्थ्यकर्मियों ने लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। बच्चों में बढ़ते मधुमेह, विशेष रूप से टाइप-1 डायबिटीज (बाल मधुमेह) की समय पर पहचान, प्रभावी उपचार और नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य विभाग जशपुर द्वारा 15 से 17 जून 2026 तक तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों को तकनीकी

रूप से सशक्त बनाकर बाल मधुमेह से प्रभावित बच्चों तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के कुनकुरी, मनोरा, जशपुर एवं दुलदुला विकासखंडों से कुल 300 स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की। चरणबद्ध तरीके से आयोजित इस प्रशिक्षण में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, मितानिन कार्यक्रम से जुड़े जिला एवं ब्लॉक समन्वयक, मितानिन प्रशिक्षक, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक तथा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान से बदली ग्राम खाला की तस्वीर

सरगुजा। छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी 'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' के तहत सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड स्थित ग्राम खाला में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए किए गए कार्य ग्रामीणों एवं किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से वर्षों से उपेक्षित कछार नाला को पुनर्जीवित कर जल संरक्षण की स्थायी संरचनाएं विकसित की गई हैं, जिससे क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी और कृषि उत्पादन को नया आधार मिलेगा। ग्राम खाला की किसान श्रीमती लक्ष्मी रजक ने बताया कि कछार नाला लंबे समय से मिट्टी और मलबे से पट जाने के कारण बरसात का पानी बिना उपयोग के बह जाता था। मनरेगा के तहत नाला की सफाई और खुदाई के साथ बोल्डर चेक डैमों का निर्माण किया गया है, जिससे अब वर्षा जल का संचयन संभव होगा। इससे खेतों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा।

कुनकुरी में 33/11 केवी उपकेंद्र में 5 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित, अतिरिक्त 11 केवी फीडर भी हुआ शुरू

- मुख्यमंत्री साय की पहल से कुनकुरी की बिजली व्यवस्था हुई और मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश में विद्युत अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के तहत जशपुर जिले के कुनकुरी क्षेत्र को महत्वपूर्ण सौगात मिली है। 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कुनकुरी में 3.15 एमवीए क्षमता के पुराने पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। साथ ही नगर क्षेत्र के लिए अतिरिक्त 11 केवी फीडर का निर्माण एवं विद्युत प्रवाह प्रारंभ

करने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है।

नए ट्रांसफार्मर की स्थापना के लिए विभाग द्वारा व्यापक तकनीकी तैयारियां की गईं। कार्यस्थल पर आवश्यक स्थान उपलब्ध कराने हेतु दो डीपी को स्थानांतरित किया गया, अनुपयोगी नियंत्रण कक्ष को हटाया गया तथा पुराने ट्रांसफार्मर प्लिंथ का मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य किया गया। सभी तकनीकी प्रक्रियाएं पूर्ण करने के बाद ट्रांसफार्मर प्रतिस्थापन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

विद्युत विभाग के अधिकारियों के अनुसार ट्रांसफार्मर क्षमता में वृद्धि से क्षेत्र की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी। वहीं नए 11 केवी फीडर के शुरू होने से विद्युत भार का बेहतर वितरण संभव होगा, जिससे ओवरलोडिंग की समस्या कम होगी और उपभोक्ताओं को अधिक सुचारू एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर किए गए इस उन्नयन कार्य को क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों एवं विद्युत उपभोक्ताओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे कुनकुरी की विद्युत व्यवस्था को सशक्त बनाने वाला ऐतिहासिक कदम बताया है।

खास खबर

ठेका कंपनी के अधिकारी पर धमकी का आरोप, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

कोरबा। जिले की सिंघाली भूमिगत खदान में कार्यरत ठेका कंपनी पीएनसी के एक अधिकारी पर ग्रामीणों को धमकाने का आरोप लगाते हुए गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस में शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने से वे आक्रोशित हैं। ग्रामीणों के अनुसार कंपनी के अधिकारी केके सिंह ने उन्हें जान से मारने और जमीन में गाड़ देने जैसी धमकियां दीं। घटना के बाद शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। नाराज ग्रामीणों ने सुबह करीब 9 बजे बांकी मोंगरा-डेलवाडीह मार्ग के अरदा चैक पर चक्काजाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कंपनी और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और लिखित आश्वासन मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

अडानी पावर प्लांट में चोरी की साजिश नाकाम, 4 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा जिले में सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत उरगा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अडानी पावर प्लांट पताढ़ी में चोरी की साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने मौके से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, प्लांट परिसर में सीसीटीवी कैमरों के जरिए संदिग्ध गतिविधियां नजर आने पर सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही उरगा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने चोरी की नीयत से प्रवेश करना स्वीकार किया। इस मामले में थाना उरगा में अपराध दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 39 भेड़ें और एक बकरे की मौत

धमतरी। जिले के मगरलोड क्षेत्र में शुक्रवार को मौसम का मिजाज अचानक बदला और आसमानी बिजली ने एक पशुपालक पर ऐसा कहर बरपाया कि उसकी वर्षों की मेहनत पलभर में खत्म हो गई। ग्राम डूमरपाली में बिजली गिरने से 39 भेड़ों और एक बकरे की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज गरज-चमक और बारिश के दौरान पशु खुले क्षेत्र में थे। इसी बीच अचानक गिरी बिजली की चपेट में आने से सभी 40 पशुओं की जान चली गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। इस हादसे से पशुपालक को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है। इधर, मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ों और बिजली के खंभों के पास जाने से बचने की अपील की है।

बालोद में रेत और मिट्टी का अवैध परिवहन करते 3 वाहन जब्त, कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम ने बुधवार को गुरूर विकासखंड क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने रेत और मिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए तीन वाहनों को रंगे हाथों पकड़ा और उन्हें जब्त कर लिया।

दो हाइवा और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

जिला खनिज अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, औचक निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन कर रेत और मिट्टी ले जा रहे दो हाइवा वाहनों और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज किया गया है। आगामी वैधानिक कार्यवाही के लिए जब्त किए गए वाहनों को गुंडरदेही और बालोद थाना (आरक्षी केंद्र) की अभिरक्षा में सुरक्षित सौंप दिया गया है।

अधिनियम 1957 के तहत होगी कड़ी कार्यवाही

खनिज विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पकड़े गए सभी वाहनों और उनके मालिकों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के कड़े प्रावधानों के तहत नियमानुसार मामला दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जिला प्रशासन ने रेत और मिट्टी माफियाओं को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि जिले के भीतर प्राकृतिक और खनिज संसाधनों के अवैध दोहन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी इस प्रकार की अवैध गतिविधियों को पूरी तरह नेस्तनाबूत करने के लिए खनिज जांच दल द्वारा जिले के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित और अचानक (औचक) निरीक्षण अभियान जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी ऐसी ही सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

धमतरी में अवैध मुरूम उत्खनन में लगी जेसीबी जब्त

रायपुर। अवैध मुरूम उत्खनन की शिकायत पर धमतरी जिले में खनिज विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उत्खनन में लगी एक जेसीबी मशीन जब्त की है। विभाग ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

खनिज विभाग के अनुसार 18 जून को विभागीय टीम ने नगरी तहसील के ग्राम फरसिया में अवैध मुरूम उत्खनन में लगी टायर माउंटेड जेसीबी मशीन को जब्त किया है। इस मामले में अर्थदंड की कार्रवाई की जा रही है। धमतरी जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि जिले में 1 अप्रैल से 15 जून 2026 तक खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध 181 प्रकरणों में कार्रवाई और 49 लाख 24 हजार 330 रुपये की शास्ति राशि वसूल की गई है।

मनगट्टा के रिसॉर्ट में भिलाई की युवती की संदिग्ध मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव के सोमनी थाना क्षेत्र स्थित मनगट्टा के 'विसलीइंग वुड रिसॉर्ट' में भिलाई की 24 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान भिलाई निवासी मुस्कान तिवारी (24 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मुस्कान अपने कुछ साथियों के साथ मनगट्टा स्थित रिसॉर्ट में ठहरी थी। प्रारंभिक सूचना के मुताबिक, देर रात वह बाथरूम में बेहोशी की हालत में पाई गई थी।

घटना की जानकारी रिसॉर्ट प्रबंधन को सुबह करीब 8 बजे मिली। इसके बाद युवती को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

इस पूरे मामले में सबसे संदिग्ध बात यह है कि मुस्कान के साथ रिसॉर्ट आए उसके अन्य साथी सुबह होने से पहले ही वहां से फरार हो गए। साथियों का इस तरह बिना बताए चले जाना पुलिस के लिए बड़े सवाल खड़े कर रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामले की हर एंगल से जांच शुरू कर दी है। फिलहाल रिसॉर्ट के कर्मचारियों और घटना से जुड़े अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही, युवती के साथ आए फरार साथियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है ताकि उनसे पूछताछ की जा सके।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का सटीक पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फरार संदेही साथियों की तलाश जारी है।

आंधी-तूफान से गिरी दीवार, प्रेग्नेंट महिला की मौत

रायगढ़। रायगढ़ जिले में गुरुवार शाम तेज आंधी और बारिश के कारण बड़ा हादसा हो गया। चिराइपानी इलाके में महालक्ष्मी कास्टिंग कंपनी की दीवार अचानक गिर गई। यह दीवार पास ही स्थित ओम रुपेश कंपनी के लेबर क्वार्टर पर जा गिरी। मलबे में दबने से प्रेग्नेंट महिला की मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक रंभा, सुनील यादव और रिंकी यादव ओम रुपेश कंपनी में काम करते हैं। रंभा और रिंकी सगी बहनें थी, जबकि सुनील रिंकी का पति है। शाम को तीनों लेबर क्वार्टर पर थे। इस दौरान तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश होने लगी।

मलबे में दबे तीन मजदूर

इस दौरान महालक्ष्मी कास्टिंग कंपनी की दीवार ओम रुपेश कंपनी के लेबर क्वार्टर पर जा गिरी। मलबे में रंभा, सुनील यादव और रिंकी यादव दब गए। हादसे के बाद मौके पर मजदूरों की भीड़ लग गई। उन्होंने फौरन पुलिस की इसकी जानकारी दी और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया

मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूरों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया और फौरन मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान रंभा ने दम तोड़ दिया, जबकि सुनील और रिंकी का इलाज जारी है।

इलाज के दौरान महिला की मौत

पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घायल जीजा-साली की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामले में डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि दोनों कंपनियां अगल-बगल हैं। शाम को आई तेज आंधी और बारिश के चलते दीवार गिर गई, जिससे यह हादसा हुआ। मामले की जांच की जा रही है।

कोयला लोड ट्रेलर पलटा, 2 भाइयों की दबकर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बहन के लिए मोमोज लेकर लौट रहे 2 सगे भाइयों की सड़क हादसे में मौत हो गई। बिलासपुर-कटघोरा नेशनल हाईवे पर कोयले से लदा तेज रफ्तार ट्रेलर बेकाबू होकर नाली निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में जा घुसा और पलट गया। हादसे के दौरान बाइक सवार दोनों भाई ट्रेलर की चपेट में आ गए और उसके नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी के विरोध के बाद नाली निर्माण का काम तो रोक दिया गया था, लेकिन खोदे गए गड्ढे को भरा नहीं गया था। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार बेलतरा निवासी संदीप रजक (23) और उसका छोटा भाई प्रदीप रजक (16) ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम करते थे। संदीप ट्रेलर ड्राइवर था, जबकि प्रदीप मैकेनिक का काम करता था। दोनों अपने परिवार के साथ बेलतरा के पास स्थित बेलपारा गांव में रहते थे।

बताया जा रहा है कि बस स्टैंड के पास स्थित एक पेट्रोल पंप के सामने नेशनल हाईवे किनारे नाली निर्माण के लिए करीब 4 महीने पहले खुदाई की गई थी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी के विरोध के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया, लेकिन खुदाई वाला हिस्सा और निर्माण सामग्री सड़क किनारे ही पड़ी रही।

रात करीब 8 बजे बिलासपुर की ओर जा रहा कोयले से लदा ट्रेलर (सीजी 12 बीएच 2296) तेज रफ्तार में था। खुदाई वाले हिस्से के पास पहुंचते ही ड्राइवर कंट्रोल खो बैठा और ट्रेलर पलट गया। उसी दौरान वहां से गुजर रही बाइक उसकी चपेट में आ गई। ट्रेलर के नीचे दबने से दोनों भाइयों की जान चली गई।

संदीप और प्रदीप अपने परिवार के सहारे थे। पिता के मौत के बाद दोनों भाई अपनी मां और बहन की जिम्मेदारी उठा रहे थे।

रिश्तेदारों के अनुसार दोनों भाई काम खत्म करने के बाद होटल गए थे। वहां से वे अपनी बहन के कहने पर उसके लिए मोमोज लेकर घर लौट रहे थे, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रतनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। हाइड्रा मशीन की सहायता से ट्रेलर को हटाकर दोनों शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। शुरुआत में पुलिस को लगा कि ट्रेलर के नीचे दबे लोग बाहरी हो सकते हैं, लेकिन ट्रेलर हटाने पर मृतकों की पहचान स्थानीय युवकों के रूप में हुई।

इसके बाद माहौल बिगड़ने और विरोध-प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए पुलिस ने एहतियात बरतते हुए शवों को तत्काल अस्पताल भिजवा दिया। वहीं, रतनपुर पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में युवक पर हमला कर 19 हजार रुपये की लूट

रायपुर। राजधानी रायपुर के माना कैंप थाना क्षेत्र में देर रात एक युवक से लूट की वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाशों ने युवक के सिर पर हमला कर उसे सड़क पर गिरा दिया और मारपीट करते हुए 19 हजार रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित निलेश घोष (26) कांकेर जिले के पखांजूर का रहने वाला है और वर्तमान में रायपुर के कमल विहार सेक्टर-4 स्थित वेलफेयर कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर एक रियल एस्टेट कंपनी में कार्यरत है।निलेश ने बताया कि 14 जून की रात करीब एक बजे वह कंपनी से भुगतान के 19 हजार रुपये लेकर अपनी बाइक से पखांजूर के लिए रवाना हुआ था। डुमरतराई स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवाने के बाद वह आगे बढ़ रहा था, तभी दो बाइकों में सवार अज्ञात युवक उसके पास पहुंचे और सिर पर किसी वस्तु से हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए उसकी जेब में रखे 19 हजार रुपये लूट लिए। घटना के तीन दिन बाद पीड़ित की शिकायत पर माना कैंप थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम,रिसाली (छ.ग.)
ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक/लो.क.वि/2026/563 — रिसाली दिनांक 17/6/26

नगर पालिक निगम रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानसार है :–

क्रं.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्रं.	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	CONSTRUCTION OF SAMUDAYIK BHAWAN AT NEAR MILAN CHOWK, WARD NO. 37 JORATARAI (2nd call)	193614	15.99	03.07.2026
2	CITY BEAUTIFICATION UNDER SOLID WASTE MANAGEMENT INFRONT OF TALPURI GATE NO.1 ,TALPURI ,BLOCK B WARD NO;-01 , DUSSEHRA MAIDAN RUABANDHA WARD NO;- 02 ,YADAV CHOWK , WARD NO.- 03 ,NEAR JITENDRA HOUSE , WARD NO;- 04 FISH MARKET ,HSCL COLONY , WARD NO;-5 ,RISALI (C.G)	193296	47.29	06.07.2026
3	CITY BEAUTIFICATION UNDER SOLID WASTE MANAGEMENT INFRONT OF BLOCK 89 , WARD NO;- 6,NEAR NAGAR NIGAM , WARD NO;- 07 ,NEAR RISALI SECTOR BLOCK 80 , WARD NO ;- 08 NEAR KRISHNA KUNJ, WARD NO;- 9 , NEAR TRANSFORMER EKTA MANCH ,WARD NO ;- 10 , RISALI (C. G)	193300	47.37	07.07.2026
4	CITY BEAUTIFICATION UNDER SOLID WASTE MANAGEMENT INFRONT OF RIDDHI SIDDHI BHAVAN, 30C PARA. WARD NO. 31. RISALI (C.G.) NEAR ANGANBADI SHIV NAGAR WARD NO.-32. RISALI (C.G.) MANAGEMENT NEAR TOILET, WARD NO. 33, RISALI (C.G.) AT YOHAN KIRANA STORE KHADAN PARA, WARD NO.-34, RISALI (C.G.) NEAR BAJRANG CHOWK, WARD NO. - 35, RISALI (C.G.)	193626	47.42	09.07.2026
5	CITY BEAUTIFICATION UNDER SOLID WASTE MANAGEMENT NEAR BAJRANGI BALI MANDIR SHANTI NAGARWARD NO;- 36 ,NEAR BODHI SAHU HOUSE , INDRA NAGAR NEAR CANAL , WARD NO;- 37 , RISALI NEAR DUMP CHOWK , WARD NO ;- 38 , NEAR HANUNAM MANDIR NSPCL GATE , WARD NO;- 39 , NEAR GOKUL CHOWK , WARD NO ;- 40 , RISALI .	193310	47.36	09.07.2026

(नोट :– ई टेण्डर में ऑफलाईन धरोहर राशि एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदाकार की निविदा अमान्य किया जावेगा तथा दर को नहीं खोला जावेगा।)

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,
रिसाली

एल्युमिनियम व्यापारी से 50 हजार की धोखाधड़ी, रायपुर के ठग ने घटना को दिया अंजाम, जांच में जूटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला में धोखाधड़ी मामला सामने आया है। जिसमें रायपुर के युवक ने अपनी झूठी पहचान बताकर एल्युमिनियम व्यापारी से हजारों रुपये की ठगी की है। घटना के बाद मामले की सूचना पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक गांधी नगर वार्ड नंबर 7 का रहने वाला विजय राणा 32 साल विजय एल्युमिनियम एंड ग्लास शॉप के नाम से एल्युमिनियम सेक्शन और ग्लास का व्यापार करता है। 29 मई को उसके मोबाइल पर कॉल आया और अज्ञात व्यक्ति ने स्वयं को एल्युमिनियम सेक्शन का व्यापारी बतो हुए सपंर्क किया।

उसने बताया कि उसका व्यापारिक संस्थान आशीर्वाद इंटरप्राइजेज, बंजारी माता मंदिर, भनपुरी, रायपुर है और उसने अपना नाम मुकेश शर्मा, प्रोपराइटर बताया। उस व्यक्ति ने बाजार भाव से कम दर पर एल्युमिनियम सेक्शन देने का लालच देकर विजय राणा से 5 बंडल का ऑर्डर लिया। जिसकी कुल कीमत 1 लाख 23 हजार 843 रुपये बताया।

जिसके बाद दोनों के बीच सौदा तय होने पर उसने भुगतान के लिए शिवम कुमार के नाम से क्यूआर कोड और मोबाइल नंबर दिया। साथ ही उसने एडवांस 50 हजार रुपये की मांग की।

दो दिन बाद भी नहीं आया समान

ऐसे में विजय उसकी बातों में आ गया और उसने 29 मई को उस नंबर पर विजय ने 50 हजार रुपये एडवांस भेज दिया। मुकेश ने विजय राणा को विश्वास दिलाया कि उसने जो एल्मुमिनियम का आर्डर दिया है वह दो दिन के भीतर उसके पते पर पहुंच जाएगा।

इसके बाद दो दिन बीतने के बाद भी न तो उसने माल भेजा और न ही राशि वापस की। विजय ने उससे संपर्क किया, लेकिन संपर्क भी नहीं हो सका।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया

विजय ने अपने स्तर पर पतासाजी की, तब जानकारी मिला कि वह व्यक्ति व्यापारी नहीं है और न ही उसका कोई वैध व्यापारिक संस्थान है। वह समझ गया कि जानबुझकर उसने धोखेबाजी की है।

जिसके बाद पीड़ित ने लैलूंगा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया। जहां पुलिस ने धारा 318 (4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

शराब कोचिया गिरफ्तार, 34 पाव देशी मसाला शराब जब्त

बालोद। जिले में आम नागरिकों की शिकायतों एवं आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई के लिए संचालित समाधान सेल एक बार फिर प्रभावी साबित हुआ है। समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में देशी मसाला शराब जब्त की है। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में गुरुवार को थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने ग्राम खैंदा में घेराबंदी कर कार्रवाई की। आरोपी शोभित गिरी गोस्वामी (40 वर्ष) को अवैध रूप से शराब बिक्री करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 34 पाव देशी मसाला शराब बरामद की गई है। जब्त शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफधारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

खास खबर

राज्यपाल ने रानी लक्ष्मी बाई के बलिदान दिवस पर किया नमन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई के बलिदान दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उपस्थित लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित राज्यपाल के सचिव डॉ सीआर प्रसन्ना एवं लोक भवन के अन्य अधिकारियों कर्मचारियों ने भी रानी लक्ष्मीबाई को श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल ने किया लोकसभा अध्यक्ष श्री बिड़ला का स्वागत

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के लोकभवन आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी बिड़ला का स्वागत किया।

पशु सखियों को प्रशिक्षण पश्चात टूलकिट प्रदान किया गया

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रतिभागियों को पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, टीकाकरण, पशुधन रोगों की पहचान एवं रोकथाम, दुग्ध उत्पादन, पोषण प्रबंधन तथा पशुपालकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने संबंधी विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण पश्चात उन्हें आवश्यक टूलकिट प्रदान किया गया।

घर-घर मुनगा, हर घर सुपोषण : मदर ट्री मुनगा रोपण को जन-आंदोलन बनाने की तैयारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कुपोषण की समस्या के समाधान और जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने 'सुपोषण वृक्ष-मुनगा' के रोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया है। उन्होंने प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों से वर्षा ऋतु के दौरान बड़े पैमाने पर मुनगा (सहजन) का पौधरोपण कर 'घर-घर मुनगा, हर घर सुपोषण' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है।

श्रीमती राजवाड़े ने जारी पत्र में कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश को सुपोषित बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों एवं हितग्राहियों के घरों में 'सुपोषण वृक्ष-मुनगा' लगाने की परिकल्पना की गई है। उन्होंने बताया कि मुनगा एक अत्यंत पौष्टिक एवं बहुउपयोगी पौधा है, जिसके पत्ते, फलियां और अन्य भाग पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, विटामिन 'ए' और

विटामिन 'सी' सहित अनेक आवश्यक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। पोषण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होने के कारण इसे 'मदर ट्री' के नाम से भी जाना जाता है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि मुनगा का नियमित सेवन बच्चों, महिलाओं और परिवार के अन्य सदस्यों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने में सहायक है। यह शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के साथ-साथ एनीमिया जैसी समस्याओं की रोकथाम में भी मददगार सिद्ध होता है।

ीमती राजवाड़े ने जनप्रतिनिधियों से वर्षा ऋतु में जल स्रोतों के आसपास, ग्राम पंचायत परिसरों, सार्वजनिक स्थलों तथा हितग्राहियों के घरों में मुनगा पौधों का रोपण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रदेश में सुपोषण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा तथा लोगों में पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी सहायक बनेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाकर 'सुपोषित छत्तीसगढ़' के निर्माण में योगदान देने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने 50 सीटों को बढ़ाकर किया था 200, निकले अच्छे परिणाम

ट्राइबल यूथ हॉस्टल के 13 अभ्यर्थियों ने क्रैक किया यूपीएससी प्रीलिम्स, जरा से सुविधा का बड़ा परिफल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के परिणामों में छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में रहकर तैयारी कर रहे 13 अभ्यर्थियों ने प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। विशेष बात यह है कि इनमें अधिकांश विद्यार्थी जनजातीय, ग्रामीण एवं सामाजिक रूप से वंचित वर्गों से आते हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी प्रतिभा, परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी सफल अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति की प्रतिभा, परिश्रम और अटूट संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर निर्माण के लिए बेहतर अवसर एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इन युवाओं की

सफलता प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा देगी।

यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 में सफल होने वाले विद्यार्थियों में गौतम कुमार, कुलभूषण सिंह पोया, हरि चंद्र प्रकाश सिंह, मयंक रात्रे, मलिकराम पटेल, आर्यन राठौर, चेतन लाल, हरीश कुमार पटेल, किशन लाल साहू, सत्यनारायण चंद्राकर, दीक्षा दिवाकर, विकेश कुर्रे तथा प्रकाश पटेल शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि समाज के वंचित एवं प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नई दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है।

इस निर्णय से प्रदेश के दूरस्थ वनांचलों, जनजातीय क्षेत्रों एवं ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को देश की राजधानी में रहकर संघ लोक सेवा आयोग सहित अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर अवसर प्राप्त हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि ट्राइबल यूथ हॉस्टल की स्थापना राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली युवाओं को सिविल सेवा सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। यहां चयनित विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, अध्ययन कक्ष, पुस्तकालय, उत्कृष्ट कोचिंग तथा अनुभवी विशेषज्ञों का नियमित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि ट्राइबल यूथ हॉस्टल जैसे संस्थान प्रतिभाओं को पहचान देने और उन्हें उचित दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रारंभिक परीक्षा में सफल ये विद्यार्थी मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रशासनिक सेवाओं में छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाएंगे।

आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह सफलता राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए उपलब्ध कराए जा रहे शैक्षणिक अवसरों और मार्गदर्शन व्यवस्था का सकारात्मक परिणाम है।

दूरस्थ अंचलों में होंगे मेडिकल स्टाफ क्वार्टर, शिक्षकों को भी मिलेगा आवास

अच्छी पहल : डीएमएफ फंड से होगी व्यवस्था

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरगुजा जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से शिक्षकों एवं चिकित्सकों के लिए आवासीय सुविधाओं के विस्तार को मंजूरी दी गई है। मेडिकल स्टाफ क्वार्टर और शिक्षक आवासों के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दरिमा (अम्बिकापुर), कमलेश्वरपुर (मैनपाट), गुतुरमा (सीतापुर), केदमा (उदयपुर) तथा कुदरी (लखनपुर) में कुल 25 मेडिकल स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण हेतु 2 करोड़ 49 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। क्वार्टर बनने से चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को कार्यस्थल के समीप आवास उपलब्ध होगा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, निरंतरता और गुणवत्ता में सुधार आएगा।

शिक्षकों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विकासखंड मैनपाट के नर्मदापुर तथा उदयपुर विकासखंड में ट्रांजिट हॉस्टल (शिक्षक आवास) के रूप में 30 क्वार्टरों के निर्माण के लिए 2 करोड़ 55 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यों का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाएगा। शिक्षकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास उपलब्ध होगा, जिससे विद्यालयों में उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

शांति, संयन, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार : बिड़ला

- मुख्यमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ने जैन मुनियों का लिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण एवं सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने जैन मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त कर आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज को नमन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आचार्य पद केवल एक पद नहीं, बल्कि तप, त्याग, ज्ञान और समाज को दिशा देने वाली साधना का सर्वोच्च प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर

और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

श्री बिरला ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है। वहीं शतावधानी हंसभद्र मुनि जी महाराज ने अपनी विलक्षण स्मरणशक्ति, ज्ञान और साधना के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है। उनके तप और साधना से समाज को नई दिशा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि भौतिक संसाधन केवल सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं, लेकिन जीवन का वास्तविक सुख आत्मनियंत्रण, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक साधना से प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर पहली बार आयोजित हो रहा यह आचार्य पदारोहण महोत्सव प्रदेश के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पद पर पदारोहण उनके ज्ञान, तप, संयम, साधना और समाज के प्रति समर्पित जीवन का सम्मान है। उन्होंने 14 वर्षीय बाल मुनि शतावधानी हंसभद्रमुनि जी महाराज को भी नमन करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में उनकी अद्भुत स्मरणशक्ति, एकाग्रता और ज्ञान-साधना सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जैन मुनिगण कठिन तप, उपवास और संयम के माध्यम से समाज को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने लंबी पदयात्रा और तपस्या के बाद रायपुर पहुंचे साधु-संतों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

महाराणा प्रताप का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर मिसाल : उपमुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत की पुण्य भूमि ने अनेक वीर योद्धाओं और महापुरुषों को जन्म दिया है। वीर योद्धा महाराणा प्रताप ऐसे ही महान सपूत थे, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने स्वाभिमान और राष्ट्र धर्म से कभी समझौता नहीं किया।

उन्होंने मुगल सत्ता की दासता स्वीकार नहीं की और हल्दी घाटी के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया। उनका जीवन आज भी समाज और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी में सर्वोदय राजपूत राठौर क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित वीर महाराणा प्रताप जयंती समारोह में महाराणा प्रताप की राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और साहस को नमन करते हुए ये बातें कही। उन्होंने

समारोह में महाराणा प्रताप की अष्टधातु प्रतिमा के निर्माण के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र 'राष्ट्र प्रथम' हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। भारत त्याग और बलिदान की भूमि है। इसकी गौरवशाली परंपरा को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। धर्म और मातृभूमि की रक्षा के लिए समाज को संगठित रहना होगा। राजपूत समाज शिक्षा, खेल, सरकारी सेवाओं और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। युवाओं को महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजपूत समाज के शिक्षकों, डॉक्टरों, खेल प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों, पूर्व सैनिकों, समाजसेवियों, गौसेवकों तथा कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में 55 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। श्री साव ने इन रक्तवीरों को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम में घर वापसी अभियान के प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, राजपूत समाज लोरमी के अध्यक्ष भीषम सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष राम निवास राजपूत, सर्व क्षत्रिय राजपूत महासंघ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह, लोरमी जनपद पंचायत की अध्यक्ष वर्षा सिंह, लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष सुजीत वर्मा और रतनपुर नगर पालिका के अध्यक्ष लवकुश कश्यप सहित समाजजन उपस्थित रहे।

इंद्रावती के पार पहुंचा प्रशासन

जिलाधीश ने पैदल तय किया दुर्गम सफर, पहुंचे भिरसापारा

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ और बीजापुर के अति-दुर्गम इलाकों में प्रशासन की ऐतिहासिक पहुंच हुई है, जहां इंद्रावती नदी को पार करके अधिकारी और स्वास्थ्य टीमें मूलभूत सुविधाएं, राशन और चिकित्सा सेवाएं ग्रामीणों तक पहुंचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर समझने के उद्देश्य से दंतेवाड़ा कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने विकासखंड गीदम के अतिदुर्गम वनांचल क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने ग्राम पंचायत गुमलनार के आश्रित ग्राम भिरसापारा और पालोडी पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन किया।

कलेक्टर श्री ध्रुव अधिकारियों के साथ काउरगांव के बिंगूपारा से लगभग 6 से 8 किलोमीटर तक दुर्गम पहाड़ी और वन मार्गों से पैदल चलकर भिरसापारा पहुंचे। उनके इस

दौरे ने ग्रामीणों में उत्साह और विश्वास का माहौल पैदा किया। गांव पहुंचने पर उन्होंने किसी औपचारिक बैठक के बजाय ग्रामीणों के बीच बैठकर आत्मीय चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनीं।

भिरसापारा में कलेक्टर ने ग्रामीणों से आवागमन, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, राशन वितरण तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए आवश्यक राशन सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

दौरे के दौरान कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को मिलने वाले पूरक पोषण आहार, शिक्षा गतिविधियों और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मितानिनों और स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर गर्भवती महिलाओं की जांच, टीकाकरण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

भिरसापारा के बाद कलेक्टर पैदल यात्रा कर पालोडी पहुंचे। वहां भी उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दौरे की विशेषता यह रही कि कलेक्टर ने दुर्गम रास्तों से पैदल यात्रा करते हुए वापसी में इंद्रावती नदी पार कर ग्राम पंचायत गुमलनार पहुंचकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा की।

ग्राम पंचायत गुमलनार की सरपंच मालती इस्तामी ने वर्षा ऋतु में इंद्रावती नदी के कारण आवागमन बाधित होने की समस्या से अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए अधिकारियों को नियमित रूप से दूरस्थ क्षेत्रों का दौरा कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना चाहिए।

आम-कटहल प्रतियोगिता के विजेताओं को मिलेगा 10 हजार तक का पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर प्रवास के दौरान आयोजित होने वाली कृषि प्रदर्शनी एवं किसान सम्मान समारोह में जिले के प्रगतिशील और नवाचारी किसानों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को नगद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

उप संचालक कृषि द्वारा जारी जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले के उत्कृष्ट कृषकों, जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार करने वाले कृषकों को प्रोत्साहित करना है।

इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक वजन, उत्कृष्ट गुणवत्ता और आकर्षक आकार वाले आम का चयन किया जाएगा। जिले के किसान अपने बगीचे में उत्पादित आम प्रस्तुत कर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। जिले में उत्पादित सर्वाधिक वजन एवं गुणवत्तायुक्त कटहल के लिए भी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। किसान अपने खेत या बाड़ी में उत्पादित कटहल को प्रतियोगिता में शामिल कर सकते हैं। जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'जैविक खेती उत्कृष्ट किसान पुरस्कार' श्रेणी भी रखी गई है। इसमें जैविक आदानों के उपयोग, कृषि नवाचार, विपणन, उद्यान प्रबंधन, जल संरक्षण, एकीकृत कृषि प्रणाली, ड्रोन तकनीक तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का चयन होगा।

प्रत्येक श्रेणी में 10 हजार रुपए तक का पुरस्कार

प्रतियोगिता की प्रत्येक श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले किसान को 10,000, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 7,000 तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 5,000 की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950